संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 174
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
गुरूवार 24 सितम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

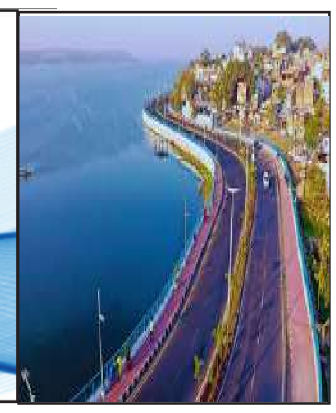

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1|

गंगा में उतरे थे कर्मा पूजा की मूर्ति विसर्जित करने, 11 लोग डूबे

चार को बचाया, छह लापता और एक की मौत

एजेंसी

पटना। जिले के बाढ़ अनुमंडल में कर्मा पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बाढ़, अथमलगोला और बख्तियारपुर थाना क्षेत्रों में गंगा नदी में मूर्ति विसर्जन के दौरान भाई-बहन समेत 11 लोग डूबने लगे। हादसे में चार लोगों को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बचा लिया, जबकि एक युवक का शव बरामद किया गया है। वहीं, छह लोगों की तलाश अभी जारी है। अलग-अलग घटनाओं के बाद स्थानीय गोताखोरों के साथ एसडीआरएफ की टीम को भी सूचना दी गई है।

बाढ़ में मूर्ति विसर्जन के बाद स्नान करने लगे युवक, दो डूबे

बाढ़ थाना क्षेत्र के पोस्ट ऑफिस घाट पर कर्मा-धर्मा पूजा को लेकर मूर्ति विसर्जन करने पहुंचे तीन युवक गंगा में डूबने लगे। स्थानीय लोगों ने इनमें से एक युवक को बचा लिया, जबकि दो युवक नदी में डूब गए। डूबे युवकों की पहचान गुलाबबाग नया टोला निवासी पीयूष कुमार (10), पिता प्रेम पंडित और सुजीत कुमार (15), पिता बबलू चौधरी के रूप में हुई है। पीयूष की मां पूजा देवी ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे को मूर्ति विसर्जन के लिए भेजा था। उसके पिता भी पीछे से गंगा घाट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीयूष का एक दोस्त भी मूर्ति विसर्जन के लिए वहां पहुंचा। मूर्ति विसर्जन के बाद दोस्त ने पीयूष समेत अन्य युवकों से स्नान करने के लिए कहा। इसके बाद सभी एक साथ गंगा में

स्नान करने लगे। इसी दौरान तीन युवक डूबने लगे। एक युवक को लोगों ने बचा लिया, लेकिन उनका बेटा पीयूष गंगा में डूब गया। बाढ़ की अंचलाधिकारी रानी कुमारी ने बताया कि दो युवक गंगा में डूब गए हैं। मौके पर रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई है। स्थानीय गोताखोर भी दोनों युवकों की तलाश में जुटे हुए हैं।

अथमलगोला में कर्मा पूजा विसर्जन के दौरान भाई-बहन डूबे

वहीं, अथमलगोला थाना क्षेत्र के उस्मानपुर वार्ड नंबर-9 में कर्मा पूजा की मूर्ति विसर्जन के दौरान भाई-बहन गंगा में डूब गए। दोनों की तलाश की जा रही है। अथमलगोला थाना अध्यक्ष राहुल कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि स्थानीय गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई है। दोनों की तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है।

बख्तियारपुर में छह युवक डूबने लगे, तीन को बचाया

बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के चंपापुर गांव के पास गंगा नदी में भी कर्मा-धर्मा पूजा की मूर्ति विसर्जन के दौरान हादसा हुआ। यहां मूर्ति विसर्जन के लिए गए छह युवक गंगा में डूबने लगे। स्थानीय लोगों ने इनमें से तीन युवकों को बचा लिया, जबकि तीन युवक नदी में डूब गए। बाद में एक युवक का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दो युवकों की तलाश जारी है। मृतक युवक की पहचान देदौर गांव के बबलू बगीचा निवासी साहिल कुमार के रूप में हुई है।

करमा पूजा के बाद कोयल नदी में मचा कोहराम! विसर्जन करने गए पांच युवक डूबे, चार की मौत; एक लापता

एजेंसी

पलामू। झारखंड के पलामू जिले में करमा पूजा की सामग्री विसर्जित करने के दौरान बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। चैनपुर थाना क्षेत्र के बोकेया पतरिया गांव के समीप कोयल नदी में पांच युवक डूब गए। हादसे में चार युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक की तलाश अभी जारी है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान पतरिया गांव के रहने वाले युवकों के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पांचों युवक बुधवार सुबह करमा पूजा की सामग्री विसर्जित करने के लिए कोयल नदी पहुंचे थे। विसर्जन के दौरान अचानक सभी युवक नदी की तेज धारा की चपेट में आ गए और डूबने लगे। युवकों को नदी में डूबता देखकर स्थानीय ग्रामीणों ने शोर मचाया। आवाज सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। इसके बाद ग्रामीणों ने नदी में युवकों की तलाश शुरू की। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।हादसे में चार युवकों की मौत हो गई है, जबकि पांचवें युवक की तलाश अभी जारी है। सभी मृतक पतरिया गांव के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से नदी में लापता युवक की तलाश की जा रही है।

पुलिस का व्यवहार: दिल्ली में छात्रा से छेड़छाड़, स्कूटर से धक्का देकर 100 मीटर तक घसीटा

10 दिन बाद एफआईआर

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में 11 सितंबर की रात एक 21 वर्षीय छात्रा के साथ छेड़छाड़ और उसे स्कूटर से धक्का देकर घसीटने का मामला सामने आया है। वारदात के समय छात्रा अपने घर लौट रही थी। पुलिस ने घटना के दस दिन बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने की प्राथमिकी दर्ज की है।

पंचशील मेट्रो स्टेशन के पास दो बाइक सवार युवकों ने छात्रा का पीछा किया, उसके साथ छेड़छाड़ की और फिर उसे उसके स्कूटर से धक्का दे दिया। छात्रा 100 से 150 मीटर तक घिसटती चली गई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। उसके पैरों, हाथों और चेहरे

पर गहरे घाव हुए, खून बह रहा था और कई जगहों से त्वचा छिल गई थी। छात्रा को याद है कि दो स्कूटर सवार उसकी मदद के लिए आए और उसे पास के एक निजी अस्पताल ले गए। उसने बताया, उन्होंने मुझे बताया कि वे उन दोनों लोगों को मेरा पीछा करते और परेशान करते हुए देख रहे थे और मदद करना चाहते थे। 12 सितंबर को उसके माता-पिता दिल्ली पहुंचे और उसे कानपुर ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है। गंभीर चोटों के कारण वह बिस्तर पर है।

घटना का विस्तृत विवरण

छात्रा ओखला के एक डिजाइन संस्थान में चौथे साल की पढ़ाई कर रही है और लाडो सराय की एक कला फर्म में इंटर्नशिप कर रही थी। रात करीब 12 बजे जब वह पंचशील मेट्रो स्टेशन से गुजर रही थी, तभी बाइक सवार दो लोगों ने उसका पीछा करना और फब्तियां कसना शुरू कर दिया। छात्रा ने बचने की कोशिश की, लेकिन संदिग्धों ने अपनी बाइक से उसे धक्का दिया और मौके से भाग गए। संतुलन बिगड़ने से वह स्कूटर से गिर गई और रास्ते पर पत्थर व कीचड़ होने के कारण उसे और चोटें आईं।

बंगाल में महिला अपराध पर 'जीरो टॉलरेंस' नीति को लेकर प्रतिबद्ध है सरकार: सुवेंदु अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में 'जीरो टॉलरेंस' के रुख को दोहराया है। उन्होंने कहा कि नाबालिग या वयस्क, किसी भी महिला के खिलाफ अपराध करने का दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के अपने आधिकारिक दौरे के दौरान कहा कि अगर कोई किसी मां या बहन, नाबालिग या वयस्क, के खिलाफ उंगली भी उठाता है, तो उसकी उंगलियां तोड़ दी जानी चाहिए। पुलिस को महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने पुलिस को यौन अपराधों से बच्चों

के संरक्षण (पॉक्सो) के मामलों में पूरी लगन से जांच करने और त्वरित सजा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।

साथ ही, चूंकि कूच बिहार की सीमा पड़ोसी देश बांग्लादेश से लगती है, इसलिए मुख्यमंत्री ने जिला पुलिस को इन क्षेत्रों में सीमा संबंधी अपराधों को रोकने के लिए विशेष रूप से सतर्क रहने का निर्देश दिया।मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि जिला पुलिस को सीमावर्ती क्षेत्रों में गांजा या अफीम जैसे नशीले पदार्थों की खेती को रोकने के लिए विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए। जिले में किसी भी प्रकार के माफिया या जबरन वसूली गिरोह को पनपने नहीं दिया जाना चाहिए। कूच बिहार जिले के एक वर्ग, विशेषकर राजबंग्शी समुदाय के लोगों द्वारा अलग कामतापुर राज्य की लंबे समय से चली आ रही मांग के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में राजबंग्शी मतदाताओं ने भाजपा का पूर्ण समर्थन किया है।

मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने (राजबंग्शी समुदाय ने) हमें (भाजपा को) भारी संख्या में वोट दिया है। उनकी मांगों और अधिकारों का निपटारा बातचीत के माध्यम से किया जाएगा। राजबंग्शी भाषा अकादमी के लिए 50 करोड़ रुपए की राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री अधिकारी ने यह भी याद किया कि पिछले साल जब वे पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता थे, तब कूच बिहार में उनके काफिले पर हमला हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं ईश्वर और दैवीय न्याय में विश्वास रखता हूं।

पंजाब में नशे के खिलाफ अभियान तेज

98 हजार से ज्यादा गिरफ्तारियां

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही महीने बचे हैं। नशीले पदार्थों की जब्ती और नार्को-टेररिज्म के नेटवर्क का भंडाफोड़ होने की लगातार खबरें आ रही हैं और इस पर सख्ती भी बरती जा रही है, फिर भी समाज के एक वर्ग का नशीले पदार्थों के गैर-कानूनी और अनैतिक धंधे में शामिल होना जारी है, जो चिंता का विषय बना हुआ है।

जब नई दिल्ली में एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की तीसरी नेशनल कॉन्फ्रेंस हो रही थी, तब पंजाब से भी ऐसी ही घटनाएं सामने आईं। 'नशा मुक्त भारत' अभियान के तहत केंद्र सरकार ने देश के 73 जिलों को अति-संवेदनशील और 274 जिलों

को संवेदनशील घोषित किया था। इनमें से पंजाब के छह जिले अति-संवेदनशील श्रेणी में आते हैं। पंजाब के अति-संवेदनशील जिलों में पाकिस्तान सीमा से सटे अमृतसर, फाजिल्का, फिरोजपुर, गुरदासपुर और तरनतारन शामिल हैं, जबकि छठा जिला औद्योगिक केंद्र लुधियाना है। खबरों के अनुसार, भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान को और तेज कर दिया है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2022 से अप्रैल 2026 के अंत तक नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस), 1985 के तहत 73,541 मामले दर्ज किए गए। यह 2017-21 के दौरान दर्ज 52,255 मामलों की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। इसी दौरान, अधिकारियों ने 98,596 लोगों को गिरफ्तार किया, जो पहले की संख्या 68,064 से लगभग 45 प्रतिशत ज्यादा है। प्रशासन का दावा है कि यह बढ़ोतरी पूरे राज्य में ड्रग तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ लगातार और बड़े पैमाने पर की गई कार्रवाई का नतीजा है।

राजस्थान निकाय चुनाव 2026 : भाजपा ने प्रत्याशियों को जारी किया कड़ा निर्देश

28 सितंबर तक चुनाव खर्च का ब्योरा देना अनिवार्य

एजेंसी

जयपुर/उदयपुर। राजस्थान नगरीय निकाय चुनाव-2026 संपन्न होने के बाद भारतीय जनता पार्टी संगठन ने अपने सभी प्रत्याशियों को निर्वाचन आयोग के नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश जारी किए हैं। पार्टी के विधि प्रकोष्ठ (राजस्थान) ने सभी निकाय प्रभारियों, जिलाध्यक्षों और चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को औपचारिक पत्र भेजकर तय समय-सीमा के भीतर संपूर्ण चुनावी खर्च का ब्योरा जमा कराने को कहा है। राज्य निर्वाचन आयोग के नियमों के मुताबिक, चुनाव परिणाम घोषित होने के 15 दिनों के भीतर हर अभ्यर्थी को अपने खर्च का पूरा विवरण रिटर्निंग अधिकारी या प्राधिकृत अधिकारी के समक्ष पेश करना आवश्यक है। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एडवोकेट सौरभ सारस्वत की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि निकाय चुनाव-2026 के परिणाम 14 सितंबर 2026 को घोषित

किए गए थे। इस संबंध में विधि प्रकोष्ठ के उदयपुर संभाग के प्रभारी अशोक सिंघवी ने भी इस पत्र का हवाला देते हुए संभाग में भाजपा प्रत्याशियों को खर्च ब्यूरो तय सीमा में प्रस्तुत करने को कहा है। इस आधार पर 15 दिन की वैधानिक अवधि के तहत सभी प्रत्याशियों को 28 सितंबर 2026 तक अपने चुनावी खर्च का अंतिम विवरण अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। पत्र में आगाह किया गया है कि तय समय-सीमा के भीतर ब्योरा जमा नहीं करने की स्थिति में निर्वाचन नियमों के तहत अयोग्यता सहित प्रतिकूल कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ सकता है।

सागर जहरीली शराब कांड का मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल, साथी समेत गिरफ्तार

सागर (मध्य प्रदेश) । मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में वांछित मनीष लोधी और उसके साथी आशीष साहू को मध्य प्रदेश पुलिस के साथ मुठभेड़ में घायल होने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। 30,000 रुपए के इनामी अपराधी लोधी और उसके साथी आशीष साहू घायल हो गए और अभी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि उनके पास से दो देसी पिस्तौल, पांच कारतूस और एक बेसबॉल बैट बरामद किया गया। पुलिस ने बुधवार तड़के में एक छोटी सी मुठभेड़ में मनीष लोधी उर्फ यशवंत को पकड़ा, जो बांदा, सागर में कई लोगों की जान लेने वाली जहरीली शराब त्रासदी का मुख्य आरोपी था।

सागर पुलिस मनीष लोधी को पकड़ने के लिए लगातार ऑपरेशन चला रही थी। सुबह करीब 3:00 बजे, जहरीली शराब के मामले में तलाशी के दौरान, पुलिस टीम का सामना मालथौन पुलिस स्टेशन इलाके में नोनिया सेसाई रोड घाटी पर उससे हुआ। पुलिस के अनुसार, लोधी और उसके साथी आशीष ने पुलिस टीम पर गोलीबारी की। पुलिस की ओर से आत्मरक्षा में चलाई गई गोली लोधी के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहा आशीष भी भागते समय घायल हो गया।

एसआईआर प्रक्रिया के दौरान न्यायिक अधिकारियों पर हमले मामले में एनआईए सख्त

टीएमसी विधायक को समन जारी

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबारी में न्यायिक अधिकारियों पर हुए हमले के मामले में पूछताछ के लिए सबीना यास्मीन को बुलाया है। यह हमला इस वर्ष की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान हुआ था। सबीना यास्मीन इसी जिले की सुजापुर

विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस की विधायक हैं। उन्हें इस मामले में पूछताछ के लिए 24 सितंबर को पेश होने के लिए कहा गया है। इस वर्ष अप्रैल में मालदा जिले के कालियाचक-II ब्लॉक के तहत मोथाबारी में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान न्यायिक कार्यवाही में लगे न्यायिक अधिकारियों पर हमला हुआ था।स्थानीय ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) के कार्यालय में न्यायिक कार्यवाही कर रहे न्यायिक अधिकारियों को भी एक हिंसक भीड़ ने कई घंटों तक वहीं बंधक बनाए रखा। इसके अलावा, प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया और विरोध प्रदर्शन किया। जब जजों को बचाया जा रहा था तो उनकी गाड़ियों पर भी हमला किया गया। पुलिस ने किसी तरह उन्हें बचाया। न्यायिक अधिकारियों पर हमले के बाद पश्चिम बंगाल की तत्कालीन राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली सत्ताधारी पार्टी की हर तरफ से कड़ी आलोचना हुई।

मदीना मस्जिद पर अतिक्रमण कार्रवाई के बाद बवाल, इमाम बोले - कुरान तक निकालने नहीं दी

नई दिल्ली । दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में मैक्स हॉस्पिटल रोड चौड़ीकरण के तहत देर रात प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान मदीना मस्जिद और उसके आसपास बने कई मकानों सहित सड़क पर मौजूद अवैध कब्जों को हटाया गया। वहीं, मदीना मस्जिद पर हुई कार्रवाई की खबर फैलते ही इलाके में तनाव का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलने पर एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमाई देर रात करीब 11:30 बजे शालीमार बाग पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और इस कार्रवाई को असंवैधानिक बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया। मदीना मस्जिद के इमाम जरीफुर रहमान ने प्रशासन के दावे पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'इस मस्जिद को गैर-कानूनी बताया जा रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि शालीमार में लगभग हर घर जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) के आधार पर बना हुआ है। पूरा इलाका इसी दस्तावेज के सहारे बसा है, फिर भी केवल मस्जिद को ही अवैध करार दिया जा रहा है। यह भेदभावपूर्ण रवैया है। '

दर्द की दवा और एंटीबायोटिक सोच-समझकर लें, सीडीएससीओ की सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दर्द की दवाओं और एंटीबायोटिक्स के बिना जरूरत इस्तेमाल को लेकर एडवाइजरी जारी की है। इसमें लोगों से इन दवाओं का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह और निगरानी में करने को कहा गया है।सीडीएससीओ के अनुसार, दर्द की दवाओं का जरूरत से ज्यादा या गलत तरीके से इस्तेमाल करने से किडनी को नुकसान पहुंच सकता है और लंबे समय में क्रॉनिक किडनी डिजीज का खतरा बढ़ सकता है।

वहीं, एंटीबायोटिक्स का गलत या जरूरत से ज्यादा

इस्तेमाल करने से शरीर में दवाओं के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) विकसित हो सकती है। ऐसी स्थिति में संक्रमण होने पर एंटीबायोटिक दवाएं कम असर कर सकती हैं। सीडीएससीओ ने लोगों से बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक या दर्द की दवा नहीं लेने की अपील की है। साथ ही डॉक्टर द्वारा बताई गई खुराक और अवधि का पालन करने पर जोर दिया गया है। संगठन ने दवाओं के गलत इस्तेमाल से होने वाले साइड इफेक्ट और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी है।

देश से मादक पदार्थों के कारोबार को उखाड़ फेंकने का लक्ष्य : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत ने 31 दिसंबर 2029 तक देश से मादक पदार्थों के कारोबार को सामूहिक प्रयासों से उखाड़ फेंकने का लक्ष्य तय किया है और इसके लिए सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को एकजुट होकर निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। शाह ने यहां मादक पदार्थ निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान में केवल जब्ती पर ध्यान देने के बजाय पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में लक्ष्य, समयसीमा और जवाबदेही स्पष्ट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के कारोबार से निपटने के लिए 'बैठक से मिशन', 'रिपोर्टिंग से परिणाम', 'जब्ती से नेटवर्क के खात्मे' और 'मामले से दोषसिद्धि' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने एएनटीएफ को 'एंटी-नार्को मिशन कमांड' के रूप में विकसित करने पर भी जोर दिया।

भारत की सिर्फ शून्य ही देन नहीं, ज्ञान परंपरा भी देश की अमूल्य धरोहर : इंदर सिंह परमार

इंदौर। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारत की दुनिया को केवल शून्य की देन ही नहीं है, बल्कि हमारी समृद्ध ज्ञान परंपरा भी देश की अमूल्य धरोहर है। नालंदा, गया और चंपारण जैसे क्षेत्र भारतीय संस्कृति, ज्ञान और परंपराओं की समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। उच्च शिक्षा मंत्री परमार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत बिहार से मध्य प्रदेश भ्रमण पर आए इंफ्लूएंसर दल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश और बिहार के बीच सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक समानताएं दोनों राज्यों को एक-दूसरे से जोड़ती हैं। बिहार से आया 16 सदस्यीय इंफ्लूएंसर दल मंगलवार शाम इंदौर पहुंचा। दल ने यहां उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मंत्री परमार ने दल के सदस्यों से संवाद कर उनकी मध्य प्रदेश यात्रा के अनुभव, भ्रमण किए गए स्थलों और प्रतिक्रियाओं की जानकारी ली।

यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण समाधान संवाद व कूटनीति से संभव : भारत

नई दिल्ली। भारत ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान संवाद और कूटनीति के जरिए ही संभव है तथा वह इस दिशा में योगदान देने के लिए तैयार है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत संघर्ष के दोनों पक्षों- यूक्रेन और रूस-के संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और यूक्रेन के विदेश मंत्री के बीच हुई मुलाकात के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने संघर्ष से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर चर्चा की। जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री ने एक बार फिर भारत का यह रुख स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण समाधान के लिए संवाद और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। उन्होंने कहा कि भारत रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में है और दोनों पक्षों से यह भी कहा गया है कि यदि भारत किसी तरह योगदान दे सकता है तो वह इसके लिए तैयार है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बिश्केक में हुई मुलाकात का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उस दौरान कहा था कि अंतहीन युद्धों को अब युद्ध की समाप्ति की ओर बढ़ना चाहिए।

शक्तिशाली अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-35 पहली बार युद्धाभ्यास करने भारत आएगा

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना की मेजबानी में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' में इस बार भी दुनिया के फाइटर जेट आसमान में उड़ान भरेंगे, जिसमें अमेरिका का पांचवीं पीढ़ी का एफ-35 लड़ाकू विमान होगा। वैसे तो भारत की वायु सेना एफ-35 के साथ विदेशों में कई बार एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज में हिस्सा ले चुकी है लेकिन यह पहला मौका है, जब अमेरिका का यह शक्तिशाली विमान हवाई युद्धाभ्यास में शामिल होने भारत आ रहा है। इस अभ्यास में 40 से ज्यादा देश हिस्सा लेंगे, जिसमें भारतीय वायु सेना अपने सभी प्रमुख एयरक्राफ्ट तैनात करेगी, जिनमें फ्रंटलाइन राफेल और सुखोई-30 फाइटर जेट शामिल हैं। राजस्थान के जोधपुर में 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक होने वाली मल्टीनेशनल एक्सरसाइज 'तरंग शक्ति' के दूसरे संस्करण में 07 देश अपने विमानों के साथ हिस्सा लेंगे। इसमें अमेरिका अपने 2-3 एफ-35 कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के साथ, फ्रांस अपने राफेल के साथ और यूएई अपने एफ-16 के साथ शामिल होंगे।

एनसीआर में गर्मी से मिलेगी हल्की राहत

लेकिन बढ़ते वायु प्रदूषण से सांस के मरीजों को खतरा

एजेंसी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में अभी फिलहाल मौसम में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, आने वाले दिनों में गर्मी में जरूर थोड़ी कमी आएगी और आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। हालांकि, इस बीच एक बड़ी चिंता की बात यह है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण आने वाले दिनों में लोगों को सांस संबंधी शिकायतें हो सकती हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 23 सितंबर को दिल्ली का अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। हवा में नमी का स्तर 85 से 55 प्रतिशत के बीच रहेगा। आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। 24 सितंबर को भी मौसम लगभग इसी तरह का रहेगा। तापमान 35 और 24 डिग्री के आसपास रहेगा, हवा में नमी 85 से 55 प्रतिशत रहेगी और आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। 25 सितंबर से मौसम में थोड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की जाएगी और अधिकतम तापमान 34 डिग्री तथा न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा। 26 सितंबर को आसमान सामान्यतः बादलों से भरा रहेगा। तापमान में और गिरावट आएगी, जिससे अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। इसके बाद 27 और 28 सितंबर को मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, इन दोनों दिनों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। तापमान गिरकर 32 डिग्री अधिकतम और 22 डिग्री न्यूनतम तक पहुंच सकता है। हवा में नमी 95 प्रतिशत तक रहेगी। हालांकि, बारिश के इन पूर्वानुमानों के बावजूद किसी भी दिन के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम में आ रही इस नमी और बादलों के बीच एक गंभीर समस्या वायु प्रदूषण की है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के विभिन्न इलाकों में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 168, अशोक विहार में 132, आया नगर में 114, बवाना में 193, बुराड़ी क्रॉसिंग में 135, कैंटोनमेंट एरिया में 84, चांदनी चौक में 224, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 150 और सीआरआरआई मथुरा रोड में 219 दर्ज किया गया है। वहीं, नोएडा की बात करें तो सेक्टर-125 में एक्यूआई 221, सेक्टर-62 में 174, सेक्टर-1 में 150 और सेक्टर-116 में 180 दर्ज किया गया।

मुंबई में शुरू हुआ आईआईसीटी का पहला कैंपस

स्थायी कैंपस पर काम जारी : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में कहा कि मुंबई में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (आईआईसीटी) का पहला कैंपस शुरू किया गया है। वेव्स समिट के तुरंत बाद शुरू हुए इस संस्थान के स्थायी कैंपस पर भी काम चल रहा है।

गुजरात के एकता नगर में पहली बार आयोजित हुए सम्मान समारोह में उन्होंने बताया कि फिलहाल राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) की इमारत में आईआईसीटी संचालित हो रहा है और अब तक 13 कोर्स में 380 छात्र दाखिला ले चुके हैं। खास बात यह है कि इन सभी पाठ्यक्रमों को इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है। इनमें नई तकनीक और अत्याधुनिक शिक्षा पर विशेष जोर

दिया गया है। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के 15,000 क्रिएटिव युवाओं को इस तरह के प्रशिक्षण से जोड़ने को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य युवाओं को नई तकनीक सीखने, अपनी रचनात्मक प्रतिभा को बाजार तक पहुंचाने और भारत की विविध संस्कृति को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अवसर देना है।

कच्ची प्रतिभाओं की पहचान पर जोर

केंद्रीय मंत्री ने फिल्म जगत से जुड़े लोगों से ऐसी प्रतिभाओं की पहचान के लिए कार्यक्रम बनाने का आग्रह किया, जिन्हें बड़े शहरों में आने या फिल्म इंडस्ट्री की बड़ी हस्तियों से मार्गदर्शन पाने का अवसर नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि सप्ताहांत में ऐसे युवाओं की कच्ची प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कार्यक्रम शुरू किया जा सकता है। इस पहल में फिल्म गीतकार प्रसून जोशी के साथ मिलकर काम करने की बात भी उन्होंने कही।

अगले साल अक्टूबर में होगा वेव्स 2027

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि वेव्स 2027 का आयोजन अगले साल अक्टूबर में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वेव्स समिट के बाद शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों का फॉलो-अप अच्छे तरीके से चल रहा है और वेव्स के माध्यम से क्रिएटिव क्षेत्र में लोगों को बाजार और नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने फिल्म और क्रिएटिव इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से अपने सुझाव साझा करने की अपील करते हुए कहा कि वेव्स को ऐसी संस्था के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

मप्र में पुलिस मुख्यालय और जेल मुख्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेगा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय

एजेंसी

भोपाल। गुजरात का गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश में पुलिस मुख्यालय और जेल मुख्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेगा। इसके लिए मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और मध्य भारत प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू के आदान प्रदान किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार विशेष रूप से उपस्थित थे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में जिस गति से डिजिटल प्रणालियों का उपयोग बढ़ रहा है, उसी गति से इस क्षेत्र में चुनौतियां भी बढ़ रही है। डिजिटल और साइबर क्षेत्र की व्यवस्थाओं में समाज हित और जनकल्याण लगातार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सर्तकता आवश्यक है। साइबर और फॉरेंसिक क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के विस्तार से ही यह संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर की स्थापना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर और राज्य शासन के बीच हुआ एमओयू तथा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और राजीव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बीच हुआ रिलेशनशिप एग्रीमेंट साइबर क्षेत्र में सर्तकता और डिजिटल फॉरेंसिक्स में दक्षता का विस्तार करेगा।

उप्र के आजमगढ़ में पत्नी-बेटे और दो पुजारियों को मारने वाला आरोपित मुठभेड़ में ढेर

एजेंसी

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में अहरौला थाना क्षेत्र के शम्भूपुर गांव में शाम पूजा के दौरान पत्नी, बच्चे और दो पुजारियों की हत्या करने वाला आरोपित देररात पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया। वारदात के बाद उसने पकड़े जाने की डर से तीनों बच्चों और स्वयं को कमरे में बंद कर लिया । उसे बाहर निकालने के लिए पुलिस ने करीब आठ घंटे तक प्रयास किया, लेकिन इस दौरान उसने अपने एक बच्चे को भी गोली मार दी। फायरिंग की आवाज सुनकर पुलिस टीम दरवाजा तोड़कर कमरे में दाखिल हुई तो उसने पुलिस पर भी फायर शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपित मारा गया। पुलिस ने दो बच्चों को सुरक्षित बचा लिया है। एसएसपी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि आजमगढ़ जिले के थाना अहरौला क्षेत्रान्तर्गत ग्राम शम्भूपुर में रहने वाले आरोपित अरविंद सिंह के घर में मंगलवार की शाम पूजा चल रही थी। इस दौरान उसने इसका विरोध किया और पंडितों से उनका आधार कार्ड मांगने लगा, जिसको

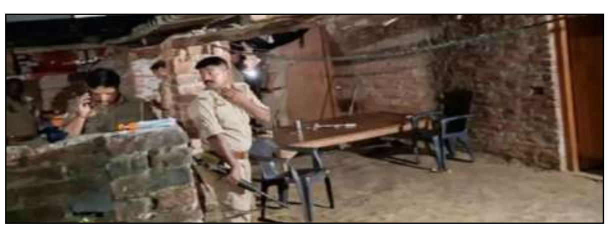

लेकर विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि अरविंद ने पिस्टल से गोली चला दी, जिसमें उसकी पत्नी बबीता, पंडित महेंद्र पाठक और अखिलेश मिश्रा घायल हो गए। अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद आरोपित ने तीन बच्चों के साथ खुद को घर में कैद कर लिया। मामला गंभीर होने पर देररात वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) नवीन अरोड़ा, डीआईजी सुनील कुमार, एसएसपी डॉ. अनिल कुमार फोर्स के साथ पहुंचे। पुलिस ने परिवार और पड़ोसियों का सहारा लेकर दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली। रात में एटीएस और एसओजी टीम को भी बुला लिया गया। पुलिस बच्चों को सुरक्षित निकालने का प्रयासरत थी। इसी दौरान कमरे के अंदर से गोली चलने की आवाज सुनाई दी।

दिल्ली मंडल में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के लिए बहुआयामी पहल

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने रेलवे स्टेशनों, कार्यस्थलों और रेलवे आवासीय कॉलोनियों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत जल भंडारण, निस्पंदन, वितरण नेटवर्क और पेयजल सुविधाओं के रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दिल्ली मंडल के अनुसार, जल भंडारण एवं निस्पंदन टैंकों की व्यापक सफाई और आवश्यक अवसंरचना उन्नयन का कार्य किया जा रहा है। सभी जल भंडारण टैंकों को उपयुक्त ढक्कनों और संरक्षित वेंट्स से सुसज्जित करने की व्यवस्था की जा रही है, ताकि बाहरी प्रदूषण को रोका जा सके। इसके साथ ही जल वितरण नेटवर्क में रिसाव की जांच कर क्षतिग्रस्त पाइपों, नलों और वाल्वों की मरम्मत एवं आवश्यकता के अनुसार प्रतिस्थापन किया जा रहा है।मंडल ने पेयजल और गैर-पेयजल उपयोगिता लाइनों के बीच पूर्ण

पृथक्करण सुनिश्चित करने की प्रक्रिया भी शुरू की है, ताकि जल के दूषित होने की किसी भी संभावना को रोका जा सके। स्टेशनों पर वाटर कूलरों और वाटर वेंडिंग मशीनों से जुड़ी आरओ शुद्धिकरण इकाइयों के फिल्टर कैंडल एवं कार्ट्रिज की नियमित सर्विसिंग, ओवरहॉलिंग तथा आवश्यकता के अनुसार बदलाव किया जा रहा है। स्टेशनों पर वाटर कूलरों और यात्रियों के लिए जल वितरण केंद्रों के आसपास नियमित स्वच्छता एवं रखरखाव अभियान चलाए जा रहे हैं। वहीं, रेलवे के चिकित्सा कर्मियों और इंजीनियरिंग टीमों द्वारा जल गुणवत्ता की नियमित जांच की जा रही है। जल में अवशिष्ट क्लोरीन की दैनिक निगरानी भी सुनिश्चित की गई है।मंडल की रेलवे कॉलोनियों, स्वास्थ्य इकाइयों और कार्यालयों में भी स्वच्छता, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा अवसंरचना रखरखाव के समान मानक लागू किए जा रहे हैं। प्रमुख रेलवे कॉलोनियों में ओवरहेड जल टैंकों और भूमिगत जलापूर्ति पाइपलाइनों का निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रखरखाव एवं जल गुणवत्ता ऑडिट किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा 2027 में प्रचण्ड बहुमत से बनाएगी सरकार: नितिन नवीन

उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सादगी, सरलता और जन-संवाद पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए।

एजेंसी

सहारनपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने दो दिवसीय उत्तर प्रदेश प्रवास के दूसरे दिन सहारनपुर में कई बैठकों में भाग लिया। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया और सहारनपुर में संत रविदास मंदिर में पूजा-अर्चना की। सहारनपुर में पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 में भारतीय जनता पार्टी की फिर से प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी। कार्यकर्ताओं में जिस तरह का जोश और उत्साह दिखाई दे रहा है और उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाने का जो दृढ़ संकल्प हर जगह देखने को मिल

रहा है, उससे मुझे पूरा भरोसा है कि भाजपा अपने 'मिशन 2027' को सफलतापूर्वक हासिल कर लेगी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आज का उत्तर प्रदेश अपने विकास, एक्सप्रेस-वे और प्रगति के नए कीर्तिमानों के लिए जाना जाता है। यहां ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें बनाई जा रही हैं। यही नए उत्तर प्रदेश की पहचान है जो हर पार्टी कार्यकर्ता और नागरिक के लिए गर्व की बात है क्योंकि हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। नितिन नवीन ने कहा कि आज पार्टी जिस मुकाम पर पहुंची है, वह पुराने कार्यकर्ताओं के 40-45 वर्षों के कठिन परिश्रम का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' का संकल्प केवल भारतीय जनता पार्टी ही पूरा कर सकती है, समाजवादी पार्टी या कांग्रेस नहीं। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सादगी, सरलता और जन-संवाद पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा स्तर पर सांसदों, विधायकों और सक्रिय सदस्यों के साथ शक्ति केंद्रों पर 'पॉकेट मीटिंग' (जनता चौपाल) आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं, भाजपा जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि हमें हर गांव, हर घर तक पहुंचना है, आम लोगों की परेशानियों को दूर करना है और उन्हें डबल इंजन सरकार की योजनाओं से जोड़ना है।

वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-पूजन के साथ खुला डूसू कार्यालय

नए अभाविप पदाधिकारियों ने संभाला कार्यभार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की जीत के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने नॉर्थ कैंपस स्थित डूसू सचिवालय का औपचारिक उद्घाटन किया।

नए कार्यकाल का शुभारंभ भारतीय परंपरा और मूल्यों के अनुरूप वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान और हवन-पूजन के साथ किया गया।

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों से आए छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया, जिससे पूरा परिसर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से गूंज उठा। छात्रसंघ

प्रतिनिधियों ने कहा कि यह शुरुआत सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर रचनात्मक और सकारात्मक छात्र राजनीति की दिशा में एक नया कदम है। अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि हवन-पूजन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि 'ज्ञान, शील और एकता' के मूल मंत्र पर आधारित अभाविप की वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जहाँ कुछ ताकतें परिसर में नकारात्मकता और अराजकता फैलाने का प्रयास करती हैं, वहीं अभाविप का छात्र नेतृत्व भारतीय संस्कृति के मूल्यों के साथ सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डूसू के नवनिर्वाचित अध्यक्ष यश डबास ने छात्रों के जनादेश को बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए कहा, विश्वविद्यालय के छात्रों ने जो विश्वास हम पर जताया है, उसे हम पूरी निष्ठा से निभाएंगे। सत्य निकेतन सहित नॉर्थ और साउथ कैंपस में छात्राओं की सुरक्षा तथा परिसरों का 'सेफ्टी ऑडिट' हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन से त्वरित कदम उठाने की मांग की जाएगी। डूसू पूरी तरह से एक्शन मोड में है और सभी चुनावी वादों को धरातल पर उतारा जाएगा।

जोधपुर में खत्म हुआ भारत-जापान वायु सेनाओं का हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और जापानी वायु सेनाओं के बीच जोधपुर वायु सेना स्टेशन पर चल रहा हवाई अभ्यास 'वीर गार्डियन' पूरा हो गया। दोनों वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता बढ़ाने और रणनीतिक साझेदारी को मजबूती देने में यह अभ्यास अहम रहा। भारतीय वायु सेना ने अभ्यास में सुखोई-30 एमकेआई, राफेल और स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस सहित विभिन्न प्रकार के विमानों का उपयोग किया। जेएएसडीएफ ने एफ-2ए युद्धक विमान के साथ अभ्यास में भाग लिया। भारतीय वायु सेना और जापान वायु आत्मरक्षा बल (जेएएसडीएफ) ने 14 दिनों के संयुक्त अभ्यास में दृश्यता सीमा में युद्ध और समन्वित बहु-विमान अभियानों सहित उन्नत उड़ान अभियानों में भाग लिया। इसी दौरान 20 सितंबर को जेएएसडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल ताकेहिरो मोरिता और वायु सेना प्रमुख एपी सिंह जोधपुर वायुसेना स्टेशन पहुंचे और स्वदेशी तेजस युद्धक विमान उड़ाया। दोनों वायु सेना प्रमुखों की इस उड़ान ने भारत-जापान के लिए एयर पावर और स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के शानदार प्रदर्शन को और बढ़ाया। संयुक्त वायु रक्षा अभ्यास में भारतीय वायु सेना और जापान वायु आत्मरक्षा बल के कर्मियों के बीच जमीनी स्तर की कई बातचीत हुई, जिनमें विषय विशेषज्ञों के एक-दूसरे के यहां जाने, परिचालन चर्चाएं, अभियान योजना सम्मेलन, इंजीनियरिंग बातचीत, विमान और उपकरण रखरखाव अभ्यास तथा एयरोस्पेस सुरक्षा की संक्षिप्त जानकारी देना शामिल रही। दोनों पक्षों ने इनमें विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इससे सहभागी टुकड़ियों को एक-दूसरे की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों से अवगत होने और एक-दूसरे की विशिष्ट क्षमताओं से सीखने का अवसर मिला। वीर गार्जियन अभ्यास दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच अटूट मैत्री और पेशेवर निकटता का प्रमाण है। यह वायु रक्षा अभ्यास, भारत और जापान के बीच रक्षा साझेदारी और रणनीतिक संबंधों को निरंतर प्रगाढ़ बनाता है। जापानी वायु सेना के फाइटर एयरक्राफ्ट के साथ यह भारत का दूसरा हवाई अभ्यास है। इससे पहले 2023 में भारत के फाइटर एयरक्राफ्ट ने पहली बार जापान का दौरा किया था। उस समय भारत की टुकड़ी ने 4 सुखोई-30 एमकेआई विमानों के साथ भाग लिया था। पहले संस्करण में भारत और जापान की वायु सेनाओं ने 16 दिनों तक हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन' के दौरान एक-दूसरे से अनूठी क्षमताएं सीखी थीं।

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस

सांकेतिक भाषा दिव्यांगजनों की शिक्षा, रोजगार, अधिकार और सामाजिक भागीदारी का महत्वपूर्ण आधार : मंत्री कुशवाह

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि सांकेतिक भाषा दिव्यांगजनों के लिए केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह उनकी शिक्षा, रोजगार, अधिकार और सामाजिक भागीदारी का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि कई बार संवाद की बाधा व्यक्ति में नहीं, बल्कि संचार की पहुंच में होती है। ऐसे में व्यक्ति को बदलने के बजाय संवाद के माध्यम को सुलभ बनाना आवश्यक है। सांकेतिक भाषा दिव्यांगजनों को अपनी बात, आवश्यकताओं और भावनाओं को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का अवसर देती है। मंत्री कुशवाह अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री कुशवाह ने कहा कि सांकेतिक भाषा समानता और समावेशन का सुंदर उदाहरण है। इसके माध्यम से दिव्यांगजन समाज से बेहतर तरीके से जुड़ सकते हैं। आज प्रदेश के दिव्यांगजन बच्चे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा एवं हुनर का प्रदर्शन कर रहे हैं और सांकेतिक भाषा के माध्यम से देश-विदेश में अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है। मंत्री कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सांकेतिक भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने और प्रशिक्षित सांकेतिक भाषा दुभाषियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। पुलिस स्टेशन, अस्पताल सहित रोजमर्रा की आवश्यकता वाली महत्वपूर्ण जगहों पर सांकेतिक भाषा दुभाषियों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगम से लेकर पंचायत स्तर तक दिव्यांगजनों को आवश्यक सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। मंत्री कुशवाह ने कहा कि दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आवश्यक योग्यताएं प्राप्त करने के लिए विभाग लगातार कार्य कर रहा है। निजी संस्थानों में

इंटरव्यू एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। दिव्यांगजनों को आरक्षण सहित विभिन्न अवसरों का लाभ लेने के लिए आवश्यक पात्रता एवं योग्यता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मंत्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। विभाग द्वारा दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें बेहतर सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि दिव्यांगजनों की प्रतिभा और हुनर को उचित अवसर मिले तथा संवाद और संचार की बाधाएं उनके विकास के रास्ते में बाधक न बनें। मंत्री कुशवाह ने महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय भवन को अब 'सशक्तिकरण भवन' के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि यह नाम दिव्यांगजनों सहित समाज के जरूरतमंद वर्गों को सशक्त बनाने के संकल्प को दर्शाता है। मंत्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं जनसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सेवा, सहभागिता और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच को मजबूत करना है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर सभी से दिव्यांगजनों की राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने और उन्हें समानता, गरिमा एवं सम्मान के साथ आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आयुक्त सामाजिक न्याय कृष्ण गोपाल तिवारी, डेफ कैन फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रीति सोनी, आयुक्त दिव्यांगजन अजय खेमरिया एवं प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय मती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर ने भी सांकेतिक भाषा के महत्व, दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार व्यक्त किए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

निर्माण पूर्ण होने के साथ ही उपकरण, फर्नीचर और मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं के निर्माण कार्यों की प्रगति एवं पूर्ण हो चुके कार्यों के लोकार्पण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यों की सतत एवं सघन मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य संस्थाओं के भवन निर्माण का कार्य पूर्ण होने के बाद उनके संचालन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ ही आवश्यक उपकरण एवं फर्नीचर की उपलब्धता तथा आवश्यक मानव संसाधन की पदस्थापना की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए, ताकि स्वास्थ्य संस्थाओं का संचालन तत्काल प्रारंभ किया जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसियों, अस्पताल प्रशासन एवं संबंधित विभागीय एजेंसियों के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित कर निर्माण, उपकरण, फर्नीचर और मानव संसाधन से संबंधित सभी कार्यों की एकीकृत रूप से मॉनिटरिंग की जाए। प्रत्येक स्तर पर निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पूर्व निर्धारित लक्ष्य की तुलना में वर्तमान में कम संस्थाएं लोकार्पण के लिए तैयार हो पाई हैं। प्रगति में कमी के कारणों की विस्तृत समीक्षा कर निर्माण कार्यों में आवश्यक गति लाई जाए तथा विलंब के लिए उत्तरदायी अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी निर्धारित की जाए। बैठक में आयुक्त, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री धनराजू एस., प्रबंध संचालक, भवन विकास निगम श्री सिबी चक्रवर्ती, प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ कॉर्पोरेशन लिमिटेड श्री अवि प्रसाद, विभागीय वरिष्ठ अधिकारी एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में आधुनिक तकनीक और एआई का बढ़ेगा उपयोग : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल में निजी मीडिया समूह द्वारा आयोजित ÷मोदी 25 ÷ विकसित भारत, बढ़ता मध्यप्रदेश÷ कॉन्क्लेव में शामिल हुए। कॉन्क्लेव में उन्होंने मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे बदलावों, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, आयुष्मान भारत योजना, चिकित्सा अधोसंरचना, तकनीक के उपयोग, औद्योगिक विकास और पर्यटन सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश का प्रयास है कि मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को शून्य स्तर तक लाया जाए। इसके लिए आवश्यक स्वास्थ्य अधोसंरचना, मानव संसाधन, जांच एवं उपचार सुविधाओं के साथ-साथ जन-जागरूकता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं की आवश्यक जांच समय पर हो, इसके लिए केवल चिकित्सकीय अमले और आशा कार्यकर्ताओं की ही नहीं, बल्कि परिवार और पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय भूमिका आवश्यक है। उन्होंने कुपोषण को भी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण चुनौती बताते हुए कहा कि कुपोषित बच्चों और गंभीर एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं को उपचार के लिए गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंचने से पहले ही आवश्यक देखभाल और जांच उपलब्ध कराना जरूरी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यक्रमों में इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच के संबंध में श्री शुक्ल ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है।

आगामी जी.आई.एस.-2027 की तैयारियों को लेकर संभागायुक्त ने ली समीक्षा बैठक

जी.आई.एस. समिट - 2027 सप्तधारा विजन पर आधारित होगी : संभागायुक्त शर्मा

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल में आगामी जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 (जी.आई.एस.-2027) की तैयारियों को लेकर संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समिट की तैयारियों में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ मिशन मोड में कार्य करें। संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि जी.आई.एस.-2027 मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं और निवेश संभावनाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रस्तावित समिट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया जाना है। समिट की परिकल्पना 'सप्तधारा' विजन पर आधारित है, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग पावर, एग्रीकल्चर एवं फूड पावर, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, गति शक्ति (इंफ्रास्ट्रक्चर), रक्षा शक्ति (डिफेंस पावर), ग्रीन एंड ब्लू इकोनॉमी तथा सॉफ्ट पावर सहित सात प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित चर्चा प्रस्तावित है। बैठक में एमडी, एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला, नगर निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आरओ भोपाल श्री विशाल सिंह चौहान, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री आकाश श्रीवास्तव, श्री मकसूद अहमद, संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, एडीएम श्री सुमित पांडेय सहित लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, नगर निगम भोपाल, मध्यप्रदेश सड़क

विकास निगम तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और तकनीकी अभियंता उपस्थित रहे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि जी.आई.एस. -2027 में शामिल होने वाले वैश्विक प्रतिनिधियों के लिए विश्व धरोहर स्थल सांची के बौद्ध स्तूपों, प्रागैतिहासिक भीमबेटका की शैलकला, ऐतिहासिक भोजपुर शिव मंदिर और धार्मिक नगरी उज्जैन के भ्रमण की योजना हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए इन प्रमुख पर्यटन स्थलों से जुड़े मार्गों को सुगम, सुव्यवस्थित और आकर्षक बनाया जाए, ताकि आगंतुकों को प्रदेश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का बेहतर अनुभव मिल सके। उन्होंने PWD, NHAI, नगर निगम और MPRDC के अधिकारियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र की सड़कों, चौराहों और संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण एवं समयबद्ध मरम्मत कार्य तत्काल शुरू कराने के निर्देश दिए। प्रमुख मार्गों पर आधुनिक एवं स्पष्ट साइनेज, सुव्यवस्थित डायवर्जन मार्किंग तथा सौंदर्यीकरण कार्य गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने को कहा, ताकि अतिथियों का आवागमन सुरक्षित, सुगम और निर्बाध रहे।

आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा

बैठक में स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क, सतगढ़ी में प्रस्तावित जी.आई.एस.-2027 आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं, पार्किंग, एप्रोच रोड और प्रस्तावित हेलिपैड के संबंध में भी विस्तृत जानकारी ली गई। संभागायुक्त ने भोपाल एयरपोर्ट से आयोजन स्थल तक के प्रमुख मार्गों के रेस्टोरेशन का कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को बजट संबंधी आवश्यक प्रस्ताव एवं डिमांड लैटर प्रस्तुत करने तथा सैद्धांतिक अनुमति के आधार पर आवश्यक कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही भोपाल के प्रमुख मार्गों के रेस्टोरेशन, विशेष स्वच्छता अभियान, प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थलों, उद्यानों और शहर के प्रवेश द्वारों के सौंदर्यीकरण का कार्य भी समयबद्ध रूप से शुरू करने को कहा। जी.आई.एस.-2027 में अंतरराष्ट्रीय उद्योगपतियों के साथ स्थानीय उद्योगपतियों और औद्योगिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी बैठक में चर्चा हुई। संभागायुक्त ने एमएसएमई विभाग को निर्देश दिए।

गांधी जयंती से शुरू होकर प्रदेश के हर जिले में पहुंचेगा सेवा, स्वच्छता, सुरक्षा और सामाजिक सरोकार का संदेश

सेवा से जनभागीदारी तक-2 से 10 अक्टूबर तक प्रदेश में चलेगा 'सेवा मेरा योगदान' अभियान

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने सेवा मेरा योगददान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये आदेश जारी किया है। सेवा को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नागरिक जीवन का संस्कार और सामाजिक दायित्व बनाने की दिशा में प्रदेश व्यापक पहल की जा रही है। 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' अभियान 2 से 10 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित होगा। अभियान द्वारा समाज के हर वर्ग को सेवा कार्यों से जोड़ते हुए जनभागीदारी को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा। अभियान में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से लेकर योग एवं ध्यान, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, नशामुक्ति, 'वोकल फॉर लोकल', वीर गाथा एवं सैनिक सम्मान, सरकारी योजनाओं की जागरूकता तथा अनाथालय और वृद्धाश्रमों में सेवा जैसी 10 व्यापक गतिविधियां शामिल की गई हैं। खास बात यह है कि इन गतिविधियों को केवल शासकीय विभागों तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों, व्यापारियों, खिलाड़ियों, कलाकारों, कारीगरों, साहित्यकारों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और महिला स्व-सहायता समूहों तक को सहभागी बनाया जाएगा। 2 अक्टूबर को अभियान की शुरुआत गांधी जयंती 'स्वच्छता ही सेवा' और वृक्षारोपण अभियान के साथ होगी। गांव से लेकर शहर तक धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों, शासकीय परिसरों, विद्यालय-महाविद्यालयों, उद्यानों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, चिकित्सालयों और गौशालाओं में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कुएं, बावड़ी, तालाब, नदी तट और घाटों जैसे जल स्रोतों पर विशेष स्वच्छता, श्रमदान और सामूहिक संकल्प कार्यक्रम होंगे। इसी क्रम में पड़त भूमि, नदी और जल स्रोतों के किनारे तथा सार्वजनिक एवं शासकीय परिसरों में पौधारोपण किया जाएगा। अभियान का जोर केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। वन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास,

10 गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को जोड़ा जाएगा

नगरीय प्रशासन तथा सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी इसमें रहेगी।

स्वस्थ जीवन से सुरक्षित समाज तक

स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन के संदेश के साथ 3 अक्टूबर को जिला एवं विकासखंड स्तर पर योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किए जाएंगे। योग शिक्षकों और विभिन्न योग एवं सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं की सहभागिता से इन कार्यक्रमों को व्यापक स्वरूप दिया जायेगा। डिजिटल दौर की चुनौतियों को देखते हुए साइबर सुरक्षा को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। 4 अक्टूबर को पुलिस थाना क्षेत्रों में विशेषज्ञ संगोष्ठियां, व्याख्यान और जागरूकता शिविर होंगे। साइबर ठगी से बचाव, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, टू-स्टेप ऑथेंटिकेशन, ओटीपी, सीवीवी और आधार नंबर की सुरक्षा जैसे विषयों पर नागरिकों को जागरूक किया जाएगा।

सड़क सुरक्षा और नशामुक्ति पर जनजागरण

सड़क सुरक्षा को लेकर रैलियों, संगोष्ठियों और जनजागरण कार्यक्रमों के माध्यम से 5 अक्टूबर का हेलमेट, सीट बेल्ट, हेडलाइट, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस के साथ एनसीसी और एनएसएस की सहभागिता से जिला एवं विकासखंड मुख्यालयों के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर गतिविधियां संचालित होंगी। नशे के खिलाफ सामाजिक चेतना को मजबूत करने के लिए 6 अक्टूबर को 'नशामुक्त भारत' जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। रैलियों, प्रदर्शनियों, विचार गोष्ठियों और सामूहिक संकल्प के माध्यम से युवाओं और आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। पुलिस, सामाजिक न्याय, स्कूल एवं उच्च शिक्षा विभागों के साथ एनसीसी और एनएसएस को भी अभियान से जोड़ा जाएगा।

स्थानीय उत्पादों को मिलेगा बाजार, हुनर को मिलेगा सम्मान

स्थानीय अर्थव्यवस्था और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 8 अक्टूबर को 'वोकल फॉर लोकल सहयोग' गतिविधि आयोजित होगी। स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी, संवाद और विचार गोष्ठियों के साथ स्वदेशी एवं स्थानीय सामग्री के उपयोग का संकल्प दिलाया जाएगा। महिला स्व-सहायता समूहों और स्थानीय कारीगरों को सम्मानित करने के साथ स्थानीय उत्पादों से जुड़े स्टार्टअप के लिए वित्तीय संस्थाओं के सहयोग से विशेष शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक

जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : संभागायुक्त शर्मा

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने संभागायुक्त कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता जनहितकारी सेवाओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण प्रदाय सुनिश्चित करना है, अत : सभी अधिकारी प्रकरणों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। संभागायुक्त शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी संभागीय अधिकारी, मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण करें. इसके लिए आयोजित शिविर के पूर्व दिवस में निर्धारित क्षेत्र में लंबित सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी के प्रकरण की तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि जन विश्वास अभियान में अधिक से अधिक जन समस्याओं का निराकरण कर विभाग प्रभावी क्रियान्वयन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। संभागायुक्त शर्मा ने कहा कि

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान -2026 में सरकार संवेदनशीलता के साथ नागरिकों की समस्याओं का समाधान उन्हीं के क्षेत्र में पहुँचकर कर रही है, ताकि नागरिकों को अपने कार्यों के लिए अलग - अलग कार्यालयों नहीं जाना पड़े। संभागायुक्त शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में केवल संख्या आधारित उपलब्धि पर नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण समाधान पर ध्यान दिया जाए। सभी अधिकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, शिकायतों का त्वरित निराकरण तथा विकास कार्यों की सतत् निगरानी सुनिश्चित करें। संभागायुक्त्त शर्मा ने निर्देश दिए कि युवा वर्ष के लिए अधिकारीगण अभी से संबंधित विभागीय तैयारी प्रारंभ कर दे। शासन का उद्देश्य विभिन्न युवा वर्ग कल्याण योजनाओं का हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ पहुँचाना है। सभी विभाग विभिन्न योजनाओं की उपलब्धि पर आधारित सफलता की कहानियां जनसंपर्क विभाग के माध्यम से जारी करवाएं, जिससे अन्य व्यक्ति भी इनसे प्रेरित होकर शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकें। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास विनोद यादव, उपायुक्त मती भारती देवी मिश्रा सहित संभाग स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

किसान निर्धारित समय पर करायें पंजीयन : मंत्री राजपूत

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये 13 हजार से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये पंजीयन प्रक्रिया जारी है। अभी तक 13 हजार 508 किसानों ने पंजीयन कराया है। किसान 10 अक्टूबर तक पंजीयन करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। प्रदेश में 1100 से अधिक पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं। पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है। पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। प्रति पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा।

10 अक्टूबर तक होगा पंजीयन

सिकमी/बटाईदार/कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था ?द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान ?द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और ढ्ढस्नस्ष्ट कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें। सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि जिला और तहसील स्तर पर स्थापित आधार पंजीयन केन्द्रों को क्रियाशील रखा जाए जिससे किसान वहां जाकर आसानी से अपना मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट करा सके। इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र का भी उपयोग किया जा सकता है। आधार नंबर से बैंक खाता लिंक कराने के लिए बैंकों के साथ भी समन्वय आवश्यक होगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते के सत्यापन के लिये पंजीयन के दौरान ही एक रूपये का ट्रांजेक्शन मध्यप्रदेश राज्य आपूर्ति निगम द्वारा ई-उपार्जन/जेआईटी पोर्टल के माध्यम से कराया जाएगा। पंजीयन कराने और फसल बेचने के लिए आधार नंबर का वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। वेरीफिकेशन आधार नंबर से लिंक मोबाईल नंबर पर प्राप्त ओटीपी से या बायोमेट्रिक डिवाईस से किया जा सकेगा। किसान का पंजीयन केवल उसी स्थिति में हो सकेगा जबकि किसान के भू-अभिलेख के खाते एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार कार्ड में दर्ज नाम से होगा। भू-अभिलेख और आधार कार्ड में दर्ज नाम में विसंगति होने पर पंजीयन का सत्यापन तहसील कार्यालय से कराया जाएगा। सत्यापन होने की स्थिति में ही उक्त पंजीयन मान्य होगा। विगत रबी एवं खरीफ के पंजीयन में जिन किसानों के मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं, उन्हें एसएमएस से सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं। गांव में डोडी पिटवाकर ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर पंजीयन सूचना प्रदर्शित कराने तथा समिति/ मंडी स्तर पर बैनर लगवाने के निर्देश भी दिये गये हैं।

रोटी या चावलजफैटी लिवर वालों के लिए क्या है ज्यादा बेहतर? एक्सपर्ट से समझें

फैटी लिवर होने पर ऑयली या ज्यादा मसालेदार खाना मना किया जाता है. लोगों में ये कंफ्यूजन भी रहती है कि रोटी खाएं या चावल? चलिए आपको डॉक्टर के जरिए बताते हैं...

भारतीयों में फैटी लिवर की शिकायत तेजी से बढ़ रही है. शराब न पीने वालों में भी ये हेल्थ प्रॉब्लम देखी जा रही है. सबसे बड़ा कारण तला-भुना और मसालेदार खानपान है. बिगड़े हुए लाइफसाइटल की वजह से भी ऐसा हो रहा है. लिवर से जुड़ी इस शिकायत के होने पर लगो खानपान में बदलाव करते हैं. इसमें एक सवाल ये भी है कि फैटी लिवर होने पर चावल खाने चाहिए या गेहूं की रोटी. डॉक्टर जतींदर सिंह भोगल (सीनियर कंसल्टेंट, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी एंड हेप्टाटोलॉजी, कैलाश दीपिक हॉस्पिटल) कहते हैं कि अगर आपको फैटी लिवर है और आप रोटी और चावल में से किसी एक को चुनना चाहते हैं, तो होल व्हीट की रोटी चावल से बेहतर चॉइस हो सकती है.खानपान में समय रहते बदलाव न किया जाए तो लिवर सिरोसिस तक हो सकता है. चावल या रोटी में किसे किसे चुनना बेहतर है. चलिए आपको डॉक्टर के जरिए समझाते हैंज्रोटी को चुनना है बेहतरइसकी सबसे बड़ी वजह है कि रोटी में फाइबर ज्यादा मिल सकता है, खासकर जब वह होल व्हीट, ज्वार या बाजरे जैसे साबुत अनाज से बनी हो. फाइबर की वजह से खाना धीरे पचता है और पेट ज्यादा देर तक भरा रहता है. इससे बार-बार भूख लगने और जरूरत से ज्यादा खाने से बचने में मदद मिल सकती है. फैटी लिवर में वजन को कंट्रोल करना काफी इम्पोर्टेन्ट है, इसलिए फाइबर वाला खाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है.

अब चावल को समझते हैं

फैटी लिवर में चावल पूरी तरह बंद करने की जरूरत नहीं है. लेकिन अगर आप सफेद चावल खाते हैं, तो इसकी मात्रा पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए. सफेद चावल में फाइबर कम होता है और इसे ज्यादा मात्रा में खाना भी काफी आसान होता है. इसलिए एक बड़ी प्लेट चावल खाने के बजाय छोटी मात्रा में चावल लेना बेहतर है. अगर आपको चावल पसंद है, तो ब्राउन राइस जैसे साबुत अनाज वाले विकल्प भी लिए जा सकते हैं.

रोटी और चावल में फर्क क्या है

मान लीजिए आप दो होल व्हीट रोटियां खाते हैं. इनके साथ दाल और सब्जी लेने पर आपको फाइबर के साथ प्रोटीन भी मिल जाता है और पेट भी लंबे समय तक भरा रहता है. वहीं अगर आप एक बड़ी प्लेट सफेद चावल लेते हैं और साथ में दाल और सब्जी बहुत कम है, तो खाने में फाइबर और प्रोटीन कम पड़ सकते हैं. इसलिए सिर्फ चावल होने की वजह से प्रॉब्लम नहीं है, प्रॉब्लम तब होती है जब चावल की मात्रा ज्यादा हो और संतुलित खाना न हो.इसका मतलब यह भी नहीं है कि रोटी जितनी चाहें उतनी खा सकते हैं. अगर रोटी पर बहुत ज्यादा घी या तेल लगाया गया है या उसके साथ तली हुई सब्जी, मिठाई और दूसरी ज्यादा कैलोरी वाली चीजें ली जा रही हैं, तो सिर्फ रोटी चुनने से फैटी लिवर में फायदा नहीं होगा. इसी तरह चावल की छोटी मात्रा के साथ दाल, राजमा, चना, सब्जियां या पनीर जैसी प्रोटीन वाली चीजें लेना एक संतुलित खाना हो सकता है.

इन बातों का रखें ध्यान

तो प्रैक्टिकल तौर पर, फैटी लिवर में रोज के खाने के लिए होल व्हीट, ज्वार या बाजरे की रोटी को प्रेफर किया जा सकता है. चावल खाना है तो छोटी मात्रा में लें और कोशिश करें कि सफेद चावल की जगह साबुत अनाज वाला विकल्प लिया जाए. साथ में दाल या कोई दूसरा प्रोटीन और अच्छी मात्रा में सब्जियां जरूर रखें.और सबसे जरूरी बात, फैटी लिवर में सिर्फ रोटी या चावल बदलने से लिवर ठीक नहीं होता.

फटा ढोल, खुली पोल!

नीति आयोग की एक रिपोर्ट में यह बताया गया था कि भारत में 15 से 29 वर्ष तक आयु के करीब 8.7 करोड़ युवा न पढ़ाई कर रहे थे, न काम कर रहे थे और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण ले रहे थे। गौरतलब है कि रीइमेजिनिंग स्किलिंग फार विकसित भारत एट 2047 की उक्त रिपोर्ट, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 78वें चक्र के यानी 2021 के आंकड़ों पर आधारित है। इसका अर्थ यह है कि कम से कम पिछले आधे दशक से देश के युवा ऐसी भयंकर बेरोजगारी झेल रहे हैं।पुरानी कहावत है–बंद मुट्ठी लाख की, खुल गयी तो खाक की! नरेंद्र मोदी के छिहत्तर वर्ष पूरे होने पर महीने भर चलने वाले भाजपायी से बढ़कर सरकारी आयोजनों का सिलसिला, बेशक अभी जारी ही है। फिर भी, ऐसा लगता है कि काफी हद तक इन आयोजनों की हवा निकल गयी है। यह हुआ है प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिन को, एक %जन-समारोह% बनाकर दिखाने की कोशिश के उल्टा पड़ जाने और मोदी की न भूतो न भविष्यत किस्त की लोकप्रियता की मुट्ठी खुल जाने के चलते। जैसा कि लगभग सभी निष्पक्ष प्रेक्षकों ने दर्ज किया है, शासन की सत्ता व संसाधनों, संघ परिवार के संगठन व प्रभाव और मुख्यधारा के मीडिया के अपना पूरा जोर लगाने के बावजूद, तथाकथित %एक दिया आशीर्वाद का% अभियान, न सिर्फ आम लोगों की हिस्सेदारी हासिल करने में बुरी तरह विफल रहा बल्कि उन हलकों की भी कोई दर्शनीय हिस्सेदारी नहीं हासिल कर सका, जो कम से कम नरेंद्र मोदी के नेतृत्ववाली भाजपा-संघ के अभियानों के पिछले कई वर्ष से मुखर समर्थक रहे थे।प्राय~ सभी प्रेक्षकों ने यह दर्ज किया है कि महानगरों की जिन मध्य वर्गीय से लेकर उच्च वर्गीय तक आवासीय सोसायटियों ने छ~ साल पहले कोरोना के दौरान, नरेंद्र मोदी की ही पुकार पर बड़े जोर-शोर से ताली-थाली बजाने से लेकर, दीया-बाती करने तक के कर्मकांड किए थे, उन्होंने भी मोदी के जन्म दिन पर आशीर्वाद/ समर्थन के प्रदर्शन के दीपक जलाना गवारा नहीं किया। आशीर्वाद का दिया अभियान के प्रति जन-निरुत्साह इतना प्रकट था कि मोदी और भाजपा से बढ़कर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिष्ठा की चिंता करने वालों ने, मोदी के ही हाथों में ज्यादा से ज्यादा ताकत केंद्रित होते जाने से आरएसएस की नाराजगी और मोदी की बढ़ती व्यक्ति पूजा के प्रति आरएसएस की उदासीनता देखना भी शुरू कर दिया है। हैरानी की बात नहीं है कि उज्जैन के एक आयोजन में आरएसएस प्रमुख, भागवत की इस टिप्पणी को कि सब कुछ अपनी इच्छा से नियंत्रित करने का अहंकार निरर्थक है, कोई चाहे या न चाहे, उगने के बाद सूर्य अस्त होता ही है, नरेंद्र मोदी की सत्ता के सूर्य के ढल रहे होने की स्वीकृति के रूप में भी पढ़ा जा रहा है।कहने की जरूरत नहीं है कि नरेंद्र मोदी के लिए अपार जन-समर्थन और उनकी अभूतपूर्व लोकप्रियता के दावों में पहले भी सच्चाई का तत्व थोड़ा ही था और प्रचार का ही तत्व ज्यादा था। सच तो यह है कि न सिर्फ अपनी अभूतपूर्व चुनावी सफलताओं के बावजूद, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अकेले भाजपा ही नहीं, एनडीए का गठजोड़ भी हरेक चुनाव में कुल वोट के आधे से काफी कम तक सीमित रहने के बाद भी, फर्स्ट पॉस्ट द पोस्ट पर आधारित भारतीय चुनाव प्रणाली की असंतुलितता के चलते ही, लोकसभाई तथा विधानसभाई सीटों का बहुमत हासिल करता रहा है और इसे ही नरेंद्र मोदी की अपार लोकप्रियता के साक्ष्य के रूप में प्रचारित किया जाता रहा है। 2024 के आम चुनाव में तो, चुनाव आयोग की सारी पक्षपाती भूमिका और वास्तव में उसके अनेक संदेहजनक फैसलों के बावजूद, न सिर्फ मोदी के नेतृत्व में भाजपा लोकसभा में पूर्ण बहुमत से काफी नीचे खिसक गयी थी बल्कि चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार और चिराग पासवान की पार्टियों की बैसाखियों के सहारे ही नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री पद पर तीसरा कार्यकाल हासिल कर पाए थे। उसके बाद से सबसे बढ़कर चुनाव आयोग की तिकड़मों के ही बल पर, मोदीशाही ने चुनाव के मैदान में अगर नुकसान की कुछ भरपाई कर भी ली है, तो उसे कम से कम जन-स्वीकृति का ठप्पा नहीं माना जा सकता है।इस सच्चाई को वामपंथ के समर्थन से और कॉकरोच जनता पार्टी के माध्यम से तथा अन्यत्र भी, पिछले कुछ ही महीनों में सामने आयी युवाओं की आंदोलनात्मक बेचैनी ने, आंखें खोलने वाले तरीके से सामने लाकर रख दिया है। हैरानी की बात नहीं है कि खासतौर पर पढ़े-लिखे युवाओं तथा छात्रों की इस बगावत से बदहवास, नरेंद्र मोदी से लेकर भागवत तक ने, जेन जी कहलाने वाली इस युवा पीढ़ी को, सिर्फ बातों से खुश कर के पटाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। लेकिन, उनके दुर्भाग्य से इस युवा पीढ़ी की वास्तविक और वास्तव में उसका दम ही घोंट रही चिंताओं के ठोस समाधान का दिखावा करना भी, देसी-विदेशी इजारेदार पूंजी की सेवा में जुटी, संघ-भाजपा की इस बादशाहत के बस में नहीं है। चुनाव अपडेट्स देखें

हैरानी की बात नहीं है कि ठीक उस समय, जब एक तिमाही के जीडीपी के बढ़े-चढ़े आंकड़ों के बल पर, जिनकी विश्वसनीयता इतनी कम है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तक ने वर्तमान निजाम के आर्थिक आंकड़ों को सी ग्रेड में रखा है, जो विश्वसनीयता के सबसे निचले स्तर को दिखाता है, प्रधानमंत्री मोदी संकटों से घिरी दुनिया में उनके राज में भारत के ही सबसे तेजी से विकास कर रहे होने का ढोल पीट रहे थे, तभी खुद उनकी सरकार के दूसरे आंकड़े वास्तव में जनता और खासतौर पर युवाओं के लिए हालात के भयावह से भयावह होते जाने की गवाही दे रहे थे। मिसाल के तौर पर, 2025 में पहली बार जब जिला स्तर पर पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे किया गया, तो उसमें यह आंखें खोलने वाला तथ्य सामने आया कि देश के करीब 250 जिलों में 15 से 29 वर्ष तक आयु का हर चौथा युवा पूरी तरह से खाली बैठा हुआ है–वह न तो किसी उत्पादक काम में लगा हुआ है, न शिक्षा हासिल कर रहा है और न रोजगार के लिए किसी तरह का प्रशिक्षण ही ले रहा है। प्रथमाक्षरों को जोड़कर सार्थक शब्द बनाने के शौकीन मोदी राज ने इन युवाओं के लिए भी एक नयी संज्ञा गढ़ी है–नीट यानी नॉट इन एम्प्लाइमेंट, एजुकेशन ऑर ट्रेनिंग (एनईईटी)।सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा मोदी के जन्म दिन के जश्न के ठीक अगले ही दिन जारी किए गए आंकड़े बताते हैं कि बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा प. बंगाल जैसे राज्यों में करीब दो-तिहाई जिलों में हर चौथा युवा इसी तरह शुद्ध रूप से खाली बैठा हुआ है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, असम तथा तेलंगाना जैसे राज्यों में भी करीब आधे जिलों में हरेक चौथा युवा इसी तरह खाली बैठा हुआ है। दूसरे सिरे पर, इस सर्वे में शामिल किए गए 600 जिलों में से, करीब 25 जिले ही ऐसे हैं, जहां ऐसे खाली बैठे युवाओं का हिस्सा 10 फीसद से कम है यानी दस में से एक युवा की जवानी ही पूरी तरह से बर्बाद हो रही है। हैरानी की बात नहीं है कि युवतियों के मामले में यह अनुपात और भी ज्यादा है–सर्वे में शामिल जिलों में से तीन-चौथाई में, हर चौथी युवती इसी तरह खाली बैठी हुई है।याद रहे कि यह स्थिति कोई आज ही पैदा नहीं हो गयी है। इससे कुछ ही पहले नीति आयोग की एक रिपोर्ट में यह बताया गया था कि भारत में 15 से 29 वर्ष तक आयु के करीब 8.7 करोड़ युवा %न पढ़ाई कर रहे थे, न काम कर रहे थे और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण ले रहे थे।% गौरतलब है कि रीइमेजिनिंग स्किलिंग फार विकसित भारत एट 2047 की उक्त रिपोर्ट, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 78वें चक्र के यानी 2021 के आंकड़ों पर आधारित है। इसका अर्थ यह है कि कम से कम पिछले आधे दशक से देश के युवा ऐसी भयंकर बेरोजगारी झेल रहे हैं। जाहिर है कि यह भयावह सच जो कि देश के युवा खुद अपने जीवन में अनुभव कर रहे हैं, मोदी सरकार के यह कहने से बदल नहीं जाता है कि इन लोगों को %आम तौर पर बेरोजगार नहीं कहा जा सकता है!% वास्तविक स्थिति इन आंकड़ों से भी बुरी लगती है। इसी साल के शुरू में आए अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के एक अध्ययन, %स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026% में बताया गया था कि 15 से 25 वर्ष तक आयु के करीब 40 फीसद युवा बेरोजगार थे। यहां तक कि ग्रेजुएट युवाओं में से भी केवल 7 फीसद, एक साल के अंदर ही स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाए थे। हैरानी की बात नहीं है कि न तो इन युवाओं को मोदी के जन्म दिन पर आशीर्वाद दिया जलाना मंजूर हुआ है और न इनसे जुड़े करोड़ों परिवारों को।बहरहाल, मोदीशाही भी जनता के वास्तविक जीवनानुभव की कठोर सच्चाइयों की ठोकर से अपनी सत्ता के सूरज का ढलना, हाथ पर हाथ रखकर बैठी देख भर नहीं रही है। एसआईआर समेत, विभिन्न कुचालों से चुनाव आयोग उसके राज को सहारा देने की जो कोशिशें कर रहा है, सभी के सामने हैं। उसकी मदद से और उसकी कोशिशों के अलावा भी, संघ-भाजपा की जोड़ी ने 2029 के चुनाव के लिए और जाहिर है कि उससे पहले के चुनावों के लिए भी, सांप्रदायिक धुंध फैलाकर, जनता के वास्तविक जीवन के मुद्दों को ढांपने की अपनी नीयत अभी से साफ कर दी है। इसका ऐलान और किसी ने नहीं, मौजूदा संघ-भाजपा का चाणक्य कहे जाने वाले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह कहकर किया है कि, 2029 के चुनाव से पहले भाजपा तथा एनडीए-शासित सभी राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का कानून बना दिया जाएगा! घुसपैठियों का हौवा चूंकि सीमावर्ती राज्यों के अलावा बहुसंख्यकों के बीच भी बहुत काम नहीं करता है, अब यूसीसी के जरिए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण ही वर्तमान सत्ताधारियों की चाणक्य रणनीति है।

संपादकीय

एसआईआर की विसंगतियां

देश में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत से ही तमाम तरह के विवाद जुड़े रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आनन-फानन में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों से लेकर प्रभावित लोगों ने तमाम सवाल उठाये। फिर पश्चिम बंगाल में भी कई विवाद सामने आए। जब विवाद बढ़ा तो देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया। पश्चिम बंगाल में अभी मामला ठंडा पड़ा भी न था कि देश की नामचीन हस्तियों के वोटर रिकॉर्ड में कथित विसंगतियों के चलते नोटिस दिये जाने के बाद विवाद नये सिरे से सामने आया है। जिन लोगों को चुनाव आयोग के अधिकारियों की तरफ से नोटिस भेजे गए हैं, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। सबसे अजीब बात तो यह है कि चुनाव आयुक्त एस.एस.संधू को भी इस प्रक्रिया के तहत नोटिस भेजा गया है। जबकि इस प्रक्रिया को खुद भारतीय निर्वाचन आयोग चला रहा है। जब एसआईआर की जटिल प्रक्रिया की कसौटी पर देश के जागरूक व दिग्गज नेता ही खरे नहीं उतर रहे हैं तो आम आदमी की क्या बिसात? ऐसे में सामान्य लोगों को अपनी दावेदारी के लिये कागजात जुटाने में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा होगा, इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। यह प्रक्रिया कितनी जटिल हो चली है, वह इस बात से पता चलता है कि मात्र दिल्ली में ही 33 लाख से ज्यादा लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। ये नोटिस विशेष रूप से उन मामलों में जारी किए गए हैं जहां वोटरों को वर्ष 2002 के गहन संशोधन से नहीं जोड़ा जा सका है। दरअसल, एसआईआर प्रक्रिया में 2002 के गहन संशोधन से जोड़ने का प्रावधान बाद में शामिल किया गया । इस व्यवधान की वजह यह है कि नौकरी व शहर बदलने वाले बहुत सारे लोग दो दशक से अधिक समय का पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं रख पाते।हालांकि, नया विवाद सामने आने के बाद चुनाव आयोग और दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी ने इस बात पर बल दिया है कि एसआईआर की प्रक्रिया में नोटिस मिलने का मतलब यह नहीं है कि वोट काटा जायेगा। आश्वासन दिया जा रहा है कि वोटरों को दस्तावेज जमा करने और जवाब देने का पर्याप्त मौका दिया जाएगा। साथ यह भी कि अंतिम फैसला उचित प्रक्रिया के प्रावधानों के तहत ही लिया जायेगा। निश्चित रूप से यह सुरक्षा आश्वासन बेहद जरूरी है क्योंकि प्रक्रिया में शामिल न हो सकने वाले वोटर तमाम तरह की आशंकाओं से जूझ रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि वोटर लिस्ट को समय-समय पर अपडेट किया ही जाना चाहिए। जिससे वोटरों के दोहराव, अयोग्य व मृत वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकें। लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि कोई योग्य नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रह जाये। निस्संदेह, ये दोनों ही मकसद समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, दिवंगत अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय का नाम उन लोगों की सूची में आना, जिनका डेटा पिछले एसआईआर से जुड़ नहीं पाया था, यह दिखाता है कि डेटाबेस आधारित प्रक्रियाओं में कितनी विसंगतियां हो सकती हैं। इस तरह पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सामने आई जटिलताएं व्यवस्था की विसंगतियों का सटीक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, हो सकता है कि वे एक दशक से अधिक समय तक वोट न दे पाएं।

खानपान पर राजनीति

भाजपा की दुविधा यह है कि वह भारतीयों की प्रचलित खानपान की आदतों और अपने शाकाहार लादने के एजेंडे के बीच संतुलन कैसे कायम करे। हर संभव अवसर पर वह और उसके सहयोगी संगठन शाकाहार को बढ़ावा देने की कोशिश करते हैं। किसी वजह से भाजपा मांसाहार को मुसलमानों से जोड़ती है। जबकि मांसाहार धर्म की सीमाओं के परे भारतीयों की खानपान की आदतों का अभिन्न अंग है। सरकारी नीतियाँ

आज के दौर में राजनीतिक प्रोपेगंडा से समाज के नजरिए को प्रभावित करने के बहुत से उदाहरण हमारे सामने हैं। खानपान की आदतें भी विभाजनकारी राजनैतिक प्रवृत्तियों के हाथ में एक औजार बन गई हैं। यह तर्क दिया जाता है कि मुसलमान इसलिए अधिक हिंसक होते हैं क्योंकि वे मांसाहारी होते हैं। पवित्र गाय और गौमांस के सेवन को भी इससे जोड़ दिया गया और नतीजे में हम भारत में लिंचिंग की शुरूआत के साक्षी बने जिसके मुख्य शिकार मुस्लिम होते हैं किंतु साथ ही बड़ी संख्या में दलितों को भी इसका सामना करना पड़ता है। हाउसिंग सोसायटियों में किसे रहने की इजाजत दी जाए और किसे नहीं, यह भी खानपान की आदतों के आधार पर तय होने लगा है। हाउसिंग सोसायटियां फ्लैट बेचने की अनुमति देने के पहले खरीदार की खानपान की आदतों के बारे में पूछताछ करती हैं। यह मुद्दा अधिक जटिल स्वरूप में हाल में बंगाल में सामने आया जहां पूजा-पंडालों के आसपास मांसाहारी खाद्य सामग्री न रखने की सलाह दी गई। साथ ही, समाज का एक तबका यह मांग कर रहा है कि जैन धर्म के पर्यूषण पर्व के दौरान मांसाहारी खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगना चाहिएधीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री (पर्चीवाले बाबा, जिन्हें प्रधानमंत्री अपना छोटा भाई कहते हैं) की दुर्गापूजा में मांसाहार पर निषेध की सलाह की मिलीजुली प्रतिक्रया हुई। कुछ ही दिनों में बंगाल का सबसे बड़ा उत्सव, दुर्गा पूजा प्रारंभ होने वाला है। भाजपा हाल ही में पश्चिम बंगाल में सत्ता पर काबिज हुई है। बंगाल में भाजपा की राजनैतिक शक्ति में बढ़ोतरी के साथ-साथ वहां भगवान राम को बढ़ावा देने का सिलसिला शुरू हो गया है। भाजपा और उसके सर्थकों द्वारा भगवान राम पर केन्द्रित उत्सवों को बढ़ावा दिया जा रहा है। राम का सहारा लेने से भाजपा को उत्तर भारत में जबरदस्त चुनावी लाभ हुआ, जिसका प्रभाव पूरे देश के चुनावी परिदृश्य पर पड़ा।भाजपा ने बंगाल में सत्ता संभालने के बाद बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री को बंगाल आने का न्यौता दिया। वे हावड़ा के लिलुआह में हनुमान कथा सुनाने के लिए आए थे। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि पूजा के दौरान मांसाहारी खाद्य पदार्थों को दुर्गा प्रतिमा से दूर रखा जाए। ऐसा ही परामर्श आरएसएस की सहयोगी संस्था व्हीएचपी द्वारा कुछ दिन पहले दिया जा चुका था। इससे बंगाली हिन्दू नाराज हो गए। इनमें वे हिन्दू भी शामिल थे जो स्वं को %हिन्दू राष्ट्रवादी% कहते हैं। कई प्रमुख बंगालियों ने अपना विरोध प्रदर्शित किया और वक्तव्य जारी कर कहा कि शास्त्री को हमें यह सिखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि हम दुर्गापूजा कैसे मनाएं और क्या खाएं और क्या न खाएं। इस प्रतिक्रिया की वजह यह तथ्य है कि मछली और बकरे के मांस से बनने वाले व्यंजन दुर्गा उत्सव का लगभग अनिवार्य हिस्सा हैं। कई लोगों ने इस ओर ध्यान दिलाया कि मछली का बंगाली संस्कृ ति में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और मांसाहारी खाद्य पदार्थ हिंदू धर्म के कई धार्मिक संस्कारों का हिस्सा हैं। त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय से लेकर कई पत्रकारों, कंटेंट क्रियेटरों, समाज के विभिन्न वर्गों के व्यक्तियों, जिनमें स्वयं को %बंगाली हिन्दू राष्ट्रवादी% कहने वाले भी शामिल हैं, ने इसके प्रति विरोध प्रदर्शित किया। %बंगालियों को यह न बताया जाए कि वे दुर्गा पूजा कैसे मनाएं% कोलकाता की कंटेंट क्रियेटर श्रेयसी विश्वास बैनर्जी ने फसबुक पर लिखा। उन्होंने एक वीडियो भी अटैच किया जिसमें उन्होंने कहा कि एक %बाहरी व्यक्ति% विशिष्ट बंगाली धार्मिक और पाक परंपराओं के कायदे निर्धारित कर रहा है। कई लोगों ने शास्त्री के पोस्टरों को फाड़ा और विकृत किया।शुभेन्दु अधिकारी, जिन्होंने शास्त्री का बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया था, कोलकाता के कालीघाट मंदिर में एक समारोह में शामिल हुए और प्रसाद के रूप में तली हुई मछली का सेवन किया। कई लोगों ने कहा कि मछली बंगाली संस्कृति का केन्द्रीय तत्व है। भारत सभी दृष्टियों से अत्यंत विविधतापूर्ण है चाहे वह खानपान हो, वेशभूषा हो, भाषा हो या धर्म। हिन्दुओं के कई पंथ हैं और कई तरह की खानपान की आदतें और परंपराएं हैं। मटन के व्यंजन कश्मीरी ब्राह्मणों की संस्कृति का अपरिहार्य भाग है। खानपान की आदतें कई कारकों से निर्धारित होती हैं। भौगोलिक स्थिति उसका एक महत्वपूर्ण आधार होता है। तटीय क्षेत्रों में समुद्री भोजन आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा है।हाल में संपन्न हुए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए रात्रिभोज में केवल शाकाहारी भोजन परोसा गया। संयोगवश शी जिनपिंग इस भोज में शामिल नहीं हुए, इसकी वजह चाहे जो भी रही हो। जहां विपक्ष ने अंतरराष्ट्रीय अतिथियों के लिए केवल शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराने की आलोचना की वहीं किरन रिजिजू ने इसका बचाव करते हुए कहा कि अतिथियों ने मेनू की तारीफ की। इससे सरकार का यह नजरिया भी जाहिर होता है कि भारत केवल शाकाहारी व्यंजनों वाला देश है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में राज्य के सभी जिलों के मुख्य व्यंजनों का एक मानचित्र प्रकाशित करवाया। इसमें लखनऊ के टुंडे कबाब का जिक्र नहीं था और केवल शाकाहारी व्यंजनों को सम्मिलित किया गया था, मानो उत्तरप्रदेश पूरी तरह शाकाहारी हो। एक अन्य घटनाक्रम में 14 मुसलमानों को केवल इसलिए नजरबंद कर दिया गया क्योंकि वे गंगा नदी में नौका विहार करते हुए रोजा अफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खा रहे थे। इस घटना का एक दिलचस्प पहलू यह है कि उसी समय वहां नौका विहार कर रहे उन हिन्दुओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई जो शराब पी रहे थे। यह है भाजपा सरकारों के हाल। यह जानते हुए भी कि लगभग 70 प्रतिशत भारतीय मांसाहारी हैं, भाजपा सरकारों द्वारा शाकाहार को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह अभियान कई स्थानों पर सफल भी हुआ है। गुजरात में, जहां पिछले तीन दशकों से भाजपा की सरकार है, मांसाहारी व्यंजन बेचने वाली दुकानें और रेस्टोरेंट लगभग गायब हो गए हैं। कई लोग गुजरात की सीमा के बाहर के निकटवर्ती स्थानों पर जाकर मांसाहार की अपनी इच्छा पूरी करते हैं।भाजपा की दुविधा यह है कि वह भारतीयों की प्रचलित खानपान की आदतों और अपने शाकाहार लादने के एजेंडे के बीच संतुलन कैसे कायम करे। हर संभव अवसर पर वह और उसके सहयोगी संगठन शाकाहार को बढ़ावा देने की कोशिश करते हैं। किसी वजह से भाजपा मांसाहार को मुसलमानों से जोड़ती है। जबकि मांसाहार धर्म की सीमाओं के परे भारतीयों की खानपान की आदतों का अभिन्न अंग है। गुजरात जैसी जगहों पर तो उसका यह आक्रामक शाकाहारवाद चल जाता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में उसे कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। शास्त्री और उनके जैसे अन्य बाबा, जो पिछले कुछ दशकों में बड़ी संख्या में ऊग आए हैं, भी आरएसएस-भाजपा की इस राजनीति के झंडाबरदार बने हुए हैं।

शास्त्री इसी दिशा में प्रयासरत थे और उनकी कोशिश एक विशिष्ट प्रकार की खानपान की आदतों को बढ़ावा देने की थी। मानव समाज विभिन्न चरणों में विकसित हुआ है और खानपान की आदतें अत्यंत विविधतापूर्ण रही हैं। भाजपा-आरएसएस और उनके राजनैतिक-सांस्कृतिक समर्थकों का शाकाहार का महिमामंडन करना विचाधारात्मक वजहों से है। वीगनवाद या शाकाहार को बढ़ावा देने की अन्य वजहें भी हो सकती हैं, किंतु लोगों की खानपान की आदतों का सम्मान करना एक लोकतांत्रिक समाज का अभिन्न अंग होना चाहिए। इस बाबा को मांसाहार पर प्रतिबंध लगाने की वकालत करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। हो सकता है कि भाजपा कुछ अन्य तरीके अपनाकर अपने शाकाहारवाद पर टिके रहने की कोशिश करे जो %मुसलमानों से नफरत' के उसके एजेंडे को आगे बढ़ाने में मददगार हो!

बेकार माचिस की तीलियों से बनाएं ये खूबसूरत चीजें

माचीस का इस्तेमाल हम सब घरों में आम करते हैं। माचीस के यूज़ के बाद इसकी स्टिक जिसे हम बेकार समझ कर फैंक देते है, उससे घर की सजावट के लिए अलग-अलग तरह के डैकोरेटिव पिस तैयार किए जा सकते हैं। अगर आपको क्रिएटिवी दिखाकर घर सजाने का शौक है तो इनकी मदद से घर को नए और यूनिक तरह के थीम के साथ डैकोरेट किया जा सकता है। जैसे कप- प्लेट, शूज़, झोपडी, गुडिया और छोटा-सा ट्री। इस तरह की डैकोरेशन देखकर आपके घर आने वाले मेहमान भी आपकी तारीफ किए बिना नही रह सकेंगे। अगर आप भी क्रिएटिव काम करने के शौंकीन हैं तो इन तस्वीरों को ध्यान से देखें और घर पर अपनी मनपसंद सामान बनाएं।

लेटेस्ट डिजाइंस के सोफा सेट से घर को दें न्यू लुक

ड्राइंग रूम को घर का सबसे आकर्षक हिस्सा माना जाता हैं क्योंकि उसमें फर्नीचर का खास ध्यान रखा जाता हैं। ड्राइंग रूम में अगर सोफा सेट न हो तो कमरा सूना-सूना सा लगता है। सोफा, कमरे को बेहतरीन लुक देता है। यह घर के फर्नीचर का खास हिस्सा भी है। सोफा सेट खरीदने में अच्छी खासी इंवैस्टमेंट करते हैं क्योंकि सोफा सेट कमरे की बहुत सी जरूरतों को पूरा करता है। घर में आए मेहमान सबसे पहले ड्राइंग रूम ही आकर बैठते हैं। वहीं, कभी कभी इससे बैड का काम भी लिया जाता है। मॉडर्न जमाने की बात करें तो आपको एक से बढ़कर एक लेटेस्ट डिजाइन में सोफा सेट मिल जाएंगे। आजकल लोग 7 और 5 सीटर सोफों को ज्यादा प्रैफरेंस दे रहे हैं। वैसे अगर कमरा छोटा हैं तो 3 सीटर सोफा सेट रखना ही बेहतर हैं। अगर आप भी सोफा सेट खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें।

-सोफे का रंग और डिजाइन आप कमरे के पैंट और कर्टन से मैच करता ही रखें। अगर बाकी फर्नीचर थोड़ा मॉडर्न हैं तो सोफा सेट भी वैसा ही बनवाएं या खरीदें। - कमरे की रेंज के हिसाब से सोफा सेट चूज करें। जैसे अगर कमरा बहुत बड़ा हैं तो आप 7 सीटर या एल शेप सोफा फिट कर सकते है। नहीं तो छोटे कमरे में 3 प्लस 2 सीटर ही फिट बैठता है। - सोफा कम बैड लोगों को इतने पसंद है कि वह

अच्छी-खासी इन्वेस्टमेंट कर सकते है। दिन में बैठने और रात को सोने का काम देता है। - यह सोफा सेट्स बजट के हिसाब से भी बेहतर है। मार्कीट में आपकी पसंद के हिसाब से मिल जाते है।

-? जिन लोगों के जल्दी-जल्दी तबादले होते रहते हैं। उनके लिए यह बैस्ट च्वाइस है, क्योकि उन्हें बैड और सोफा दो अलग- अलग चीज़ो पर खर्च नहीं करना पडता।

- आपके पास अगर जगहें कम है,और मेहमानों के आने पर आप इसका इस्तेमाल बैड की तरह भी कर सकते है। लोग सिंगल बेड या अलग से सोफा खरीदने से पहले दो बार जरूर सोच रहे हैं।

पर्दों से दें घर को स्टाइलिश लुक

घर छोटा हो या बड़ा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन यह स्टाइलिश और अच्छे तरीके से सजा-संवरा होना चाहिए ताकि घर का कोना-कोना आपको आकर्षित करें। बढ़िया पेंट, दरवाजे-खिड़कियां और मॉडर्न जमाने का फर्नीचर घर की शोभा बढ़ाते हैं। एक और चीज जो घर की सजावट में अहम रोल निभाती है, वह है कर्टेन यानी की पर्दे। इसके बिना घर खाली-खाली सा लगता है। यह डैकोरेशन के साथ-साथ कमरों के पार्टिशन और प्राइवेसी को भी बनाए रखने में मदद करते हैं।

वैसे तो आपको मार्किट में बहुत सारे डिजाइन्स और स्टफ में हर क्लर का पर्दा आसानी से मिल जाएगा आप ऑनलाइन साइट्स से भी अपने मनपसंद पर्दे चूज कर सकती है और मंगवा सकती है लेकिन अगर आपको लगता है कि यह आपके बजट में फिट नहीं बैठ रहे और काफी महंगे पड़ रहे हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आप घर पर ही पर्दे बना सकती हैं जो काफी सस्ते भी पड़ेंगे। वैसे यह काम आसान नहीं है इसके लिए आपको मेहनत तो करनी ही पड़ेगी। चलिए आज हम आपको ईजी वे बताते हैं, जिसकी मदद से आप आसानी से कर्टेन तैयार कर सकते हैं।

चलिए, जानते हैं पर्दे बनाने के तरीके

सबसे पहले आपको कर्टेन का सहीं नाप और सिलाई करनी आनी चाहिए। आजकल तो फ्रिल वाले और डबल कर्टेन काफी ट्रैंड में चल रहे हैं। इसी के साथ कर्टन का चुनाव पेंट के हिसाब से करें। अगर कर्टेन किसी और रंग का और पेंट किसी और रंग का होगा तो पूरा कमरा अटपटा सा लगेगा लेकिन हां आप कंट्रास्ट मैंचिग कर सकते हैं जैसे- ग्रे लाइट दीवारों के साथ ग्रे डार्क कर्टेन। - अगर आपके घर में पुरानी साड़ियां पड़ी हैं तो आप उनका इस्तेमाल कर्टेन के तौर पर कर सकते हैं। सिल्क की साड़ियों से बने पर्दे बहुत ही ग्रैसफुल लगते हैं। सिंगल टोंड शिफॉन की साड़ी पर्दों के लिए सबसे बेस्ट मानी जाती हैं क्योंकि यह घर के फर्नीचर से मिक्स एंड मैच हो जाएंगी। - वैसे आजकल तो सर्दी के मौसम में शनील (Shannile Applique) के कर्टेन भी खूब ट्रैंड में हैं। यह देखने में तो आकर्षक लगते ही हैं साथ ही हवा से बचाव करते हैं, जिससे कमरा गर्म रहता है। अगर आप शनील के कर्टेन नहीं लगाना चाहते तो इसकी जगह पर आप किसी मोटे स्टफ का इस्तेमाल कर सकते हैं। आजकल लोग इस तरह के कर्टेन को ज्यादा प्रेफर करने लग गए हैं क्योंकि यह सिंपल सॉबर और डिसेंट सी लुक देते हैं।

- आपके पास ऐसे बहुत सारे दुपट्टे होंगे, जिसके सूट आप पहनकर खराब कर चुके हैं। इन्हें बेकार मत जाने दें। 3-4 दुपट्टों को आपस में मिलाकर पर्दो के रूप में इस्तेमाल करें। - स्टॉल्स या पुरानी चादरों से भी आप घर के लिए सस्ते पर्दे बना सकते हैं। आप 2 से 3 चादरों या स्टॉल्स को आपस में मिक्स करके भी पर्दे तैयार कर सकते हैं। इन्हें आप चैक या स्ट्रैप्स स्टाइल में भी तैयार करें जो देखने में भी बहुत ही क्लरफुल लगेंगे। दूसरा इन पुरानी चीजों का किसी अच्छी जगह पर इस्तेमाल होता है। - अगर आप चाहते हैं कि कमरों में पर्दे भी लगें हो और रोशनी भी पूरी रहे तो पतले कपड़े में कर्टेन लगाएं और लाइट क्लर को प्रैफर करें। - पहले लोग मेजपोश और सोफों को कवर करने के लिए क्रोशिए से बने छाड़ से सजाते थे लेकिन अब तो क्रोशियों के पर्दे भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। ये आपके घर को आर्टिस्टिक लुक देते हैं।

मिनटों में चमकेगा बाथरूम, अपनाएं ये असदार घरेलू टिप्स

पूरे घर में बाथरूम ही एक ऐसा हिस्सा हैं, जहां साफ-सफाई की सबसे ज्यादा जरूरत होती है क्योंकि पानी के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से वहां चिकनाई और कालिख जमा हो जाती हैं जिससे फर्श और, दीवारे दोनों ही गंदी लगती है। बाथरूम, बाथटब, वॉश बेसिन, वॉटर टेप, फर्श पर पड़े पीले धब्बे, जंग और पानी से पड़ने वाले सफेद दाग-धब्बों को मिटाना। इन भद्दे दिखने वाले धब्बों को न हटाया जाएं तो पूरा घर गंदा और मेला-मेला सा लगता है हालांकि इन्हें हटाने के लिए बाजार में बहुत सारे प्रॉडक्ट्स उपलब्ध हैं लेकिन इन महंगे प्रॉडक्ट्स के इस्तेमाल से भी यह जिद्दी धाग साफ नहीं होते। घर पर अचानक कोई मेहमान आ जाएं तो गंदे बाथरूम पर पड़े निशानों को देखकर खुद को बड़ी शर्मिंदगी महसूस होने लगती है। *बाथरूम में रखें सामान को यूं चमकाएं

-टूथब्रश को साफ और कीटाणुरहित करने के लिए इसे एक घंटे तक सिरके में भिगो कर रखें। बाद में इसे अच्छी तरह पानी से धो लें। बर्तन और बाथरूम टेप व फर्श साफ करने के लिए आप स्पंज का इस्तेमाल करते हैं। स्पंज को भी इसी तरह से भिगोकर रखें और साफ कर लें।

-बाथटब से पानी के सफेद दाग और जंग के निशान दूर करने के लिए हाइड्रोजन पेरोक्साइड का इस्तेमाल करें। दाग-धब्बों वाली जगह पर हाइड्रोजन स्प्रे छिड़कें और 30 से 45 मिनटों के लिए ऐसा ही छोड़ दें। उसके बाद गर्म पानी से धो लें।

-बाथटब के सिंक या किचन सिंक को चमकाने के लिए उस पर सोडा

(वॉटर सोडा) डालें। कुछ मिनटों के बाद उस पर सिरका डालें और ब्रश के साथ अच्छे से रगड़कर और गर्म पानी डालें। सिंक चमक उठेगा। फर्श पर कहीं जंग लगा हो तो यही तरीका अपनाएं। -साइट्रिक एसिड भी पीले दागों को हटाने में कारगर साबित होता है। खुरदुरे शक्कर के दानों जैसा दिखने वाला ये एसिड आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगा और यह ज्यादा महंगा भी नहीं है। एक कप पानी में एक पैकेट साइट्रिक एसिड घोलें और इस घोल को स्पंज की मदद से पीले धब्बों पर 20 मिनट लगा रहने दें और बाद में गर्म पानी से उस जगह को धो लें।

*बाथरूम टाइल्स को यूं चमकाएं

-आधा लीटर गर्म पानी में 15 ग्राम साइट्रिक एसिड घोल तैयार करके टाइल्स को साफ करें। फिर साफ पानी से इसे साफ करें। -टाइल्स पर सिरके का स्प्रे करें। 10 मिनट ऐसे ही रहने दें और बाद में साफ पानी से इसे धो लें। इसे चमकाने के लिए सॉफ्ट कपड़े से टाइलों को पोंछे। *कोने से कैसे साफ करें टाइल्स

-टाइल्स के बीच फंसी मिट्टी, काले-धब्बों को साफ करने के लिए सफेद पैराफिन मोमबत्ती का इस्तेमाल करें। मोमबत्ती की कुंद को टाइल्स की लाइनों पर रगड़ें। -बेंकिंग सोडे को टूथब्रश की मदद से टाइलों के कौनों पर रगड़ें। बाद में टाइल्स को गर्म पानी से धो लें। फर्श और दीवारें एक बार फिर चमकने लगेंगे। -गर्म पानी में हाइड्रोजन पेरोक्साइड मिलाएं। टाइलों के कोने पर घोल डालें और स्पंज या ब्रश के साथ रगड़ें। बाद में साफ पानी से धो लें। *टॉयलेट बाउल से दाग धब्बे हटाने के लिए

टॉयलेट बाउल क्लीन करने के लिए सरसो पाउडर और साइट्रिक एसिड (बराबर) मिक्स करके डालें। इसके अलावा टायलेट बाउल को साफ करने और बदबू को दूर करने के लिए इस तरीके को अपनाएं।

-1 कप बेकिंग सोडा

-1/4 कप साइट्रिक एसिड

-1/2 टीस्पून सिरका

-1 टीस्पून 6ब हाइड्रोजन पेरोक्साइड

-15ङ्क20 बूंदें आपका मनपसंद तेल एक कटोरे में बेकिंग सोडा और साइट्रिक एसिड को मिलाएं। दूसरे कटोरे में सिरका और हाइड्रोजन पेरोक्साइड मिक्स करें। फिर सूखे मिश्रण में तरल घोल बूंद-बूंद करके डालें। साथ ही तेल मिक्स करके उस मिश्रण को छोटी- छोटी गेंदों का रूप दें। टायलेट बाउल साफ करने से पहले इस गेंद को बाउल में 6 घंटें तक पड़ा रहने दें। बाद में ब्रश से साफ कर लें। आप इस सामग्री को काचं के जार में सुरक्षित करके रख सकते हैं।

बेकार पड़ी चीजों से यूं बनाएं क्रिएटिव सामान

हम लोग अक्सर नया सामान खरीदने पर पुराने सामान को वेस्ट समझ कर कबाड़ में फैंक देते हैं। कपड़े, प्लास्टिक और फर्नीचर को हम यूं ही बेकार समझ लेते हैं जबकि इनका पुनः प्रयोग किया जा सकता है। आज पूरे विश्व में प्रदूषण और जल संकट की समस्या सिर पर मंडरा रही है। शायद आप यह बात जानते नहीं कि एक जींस को बनाने के लिए लगभग 2500 लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती हैं। वहीं, प्लास्टिक को डीकंपोज होने में 450 साल का समय लग जाता हैं। प्लास्टिक का अंधाधुंध इस्तेमाल पूरी दुनिया में मुसीबत बना हुआ है। विश्व भर में हर सेकंड लगभग 8 टन प्लास्टिक का निर्माण हो रहा है। वहीं हर साल लगभग 60 लाख टन प्लास्टिक का कूड़ा-कर्कट समुद्र में पहुंचता है। अगर इसी तरह चलता रहा तो भविष्य संकट में पड़ना तय है। बहुत लंबे समय से चीजों का दोबारा इस्तेमाल करने को लेकर बहस चल रही है लेकिन अगर सही तरीके से इन चीजों का पुनः इस्तेमाल किया जाए तो यह तकनीक सफल हो सकती है। रिसाइक्लिंग की मदद से बहुत सारी चीजें तैयार की जा सकती है। रिसाइक्लिंग के मामले में जर्मनी काफी संजीदा देश है। यहां कूड़ा कर्कट फैंकने के लिए खास रंग के बक्से रखें गए हैं जैसे-प्लास्टिक के लिए पीला, काग्ज के लिए नीला इसी तरह अन्य सामनों के लिए अलग रंग के बक्से वहां उपलब्ध हैं। यूं दिखाएं क्रिएटिविटी

-आजकल हर कोई जींस पहनता है। नई जींस आने पर पुरानी जींस को फैंके न बल्कि रियूज करें। जैसे आप जींस की कटिंग कर बैग्स, बच्चों की ड्रैस, बैडशीट, मैट्स, फुटवियर, कुशन कवर, एप्रेन, शॉर्ट स्कर्ट आदि बना सकते हैं। बाजार में यहीं सामान आपको काफी महंगी कीमत पर मिलेगा। जींस को दोबारा से यूटलाइस करने पर एक तो आप खुद से क्रिएटिवटी दिखा कर कुछ स्टाइलिश सामान तैयार कर सकते हैं, दूसरा पैसे की बचत होगी।

- जींस को चौरस शेप में काटकर आस-पास सिलाई लगाएं और पुराने बैग के हैंडल इसमें लगा लें। इसी तरह आप जींस की कटिंग कर बच्चे की मिनी स्कर्ट या एप्रैन बना सकते हैं। बैड शीट बनाने के लिए अलग-अलग कलर की पुरानी जींस को जोड़कर इन्हें सिलाई करें। जींस के अलावा आप अन्य कपड़ों को भी इसी तरह इस्तेमाल में ला सकते हैं। जींस को हाफ काट लें और किनारों पर फलोरल पट्टी लगाएं और अपने लिए स्टाइलिश शॉर्ट निक्कर तैयार कर सकते हैं। - आप प्लास्टिक की बोतलों का भी बहुत सामान बना सकते हैं। बोतल को सैंटर से काटकर लें। प्लास्टिक का तीखापन हटाने के लिए प्रेस की मदद से कोनें पर हल्का सेंक दे ताकि यह सख्त न रहें। इन्हें आप छोटे गमलों के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

- डैकोरेटिव फ्लावर वेस बनाने के लिए प्लास्टिक के बोतल के ऊपरी सिरे को काटकर अलग कर लें और बाकी हिस्से पर कोई पेंटिग बनाएं ताकि यह नया लगें। बस उसमें अपने मन-पसंद फ्लावर लगाएं। आप इसमें मेकअप का सामान और पैंसिल-पैन आदि भी रख सकते हैं। - वेस्ट पड़ी लकड़ियों और पलाई की मदद से आप बच्चों के लिए छोटी कुर्सी या मेज बना सकते हैं। प्लास्टिक की टुटी कर्सियों को भी आप दोबारा से इस्तेमाल कर सकते हैं। - वाहनों के वेस्ट पड़े टाइयर का भी दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। इन पर कलर कर आप टेबल बना सकते हैं नहीं तो यह गमलों का भी बढ़िया काम देते हैं।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, रायसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

लंदन की आलीशान जिंदगी छोड़ भारत के गांव में क्या कर रही हैं

कटरीना कैफ

की मां? न वहां बिजली है, न इंटरनेट

कटरीना कैफ की एंट्री बॉलीवुड की कुछ टॉप एक्ट्रेसेज में होती है। एक्ट्रेस पिछले करीब 23 सालों से फिल्मों में एक्टिव हैं। एक्टिंग करियर के साथ अपना ब्यूटी ब्रांड शुरू कर चुकी हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं उनकी मां सुजैन टरक्वोट कहां हैं और क्या कर रही हैं? चलिए हम आपको बताते हैं। कटरीना की मां लंदन में नहीं बल्कि पिछले कई सालों से भारत में रहकर गरीबों की सेवा में लगी हुई हैं। वो लाइमलाइट से दूर एक अलग दुनिया बसा चुकी हैं।

कटरीना की मां लंदन छोड़ भारत में कर रही हैं सेवा

ऐसी कई रिपोर्ट में हैं जिसमें ये कहा गया है कि कटरीना की मां लंदन में रह कर अपनी आराम वाली जिंदगी जी रही हैं। लेकिन असल में वो पिछले कई सालों से तमिलनाडु के मदुरई में रह रही हैं। वो गरीब बच्चों की सेवा कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सुजैन ने साल 2008 में लंदन छोड़ दिया था और तब से ही वो तमिलनाडु में रहकर एक NGO चला रही हैं। उन्होंने इसकी शुरुआत सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे गरीब बच्चों को फ्री ट्यूशन दे कर की थी। साल भर में उनका ये लक्ष्य बढ़ता गया। शिक्षा के साथ वो हेल्थकेयर और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी काम करने लगीं।

बच्चों को फ्री में पढ़ाती हैं सुजैन

साल 2015 में सुजैन माउंटेन व्यू स्कूल की शुरुआत की। ये एक छोटी नर्सरी टाइप थी जिसमें सिर्फ 30 बच्चे थे। इनमें अधिकतर बच्चे पिछड़े और गरीब बैकग्राउंड, गांव से थे। समय के साथ उनका ये प्रोजेक्ट भी बढ़ता गया और अब 30 की जगह 300 बच्चे इस प्राइमरी स्कूल का हिस्सा हैं। कटरीना ने खुद भी कई मौकों पर अपनी मां की लगन और चैरिटी के लिए

उनके जुनून की बात की है। करीब 10 साल पहले कटरीना ने बताया था कि उनकी मां मदुरई में रह कर एक स्कूल चलाती हैं। वो एक टीचर है और वहां बच्चों को पढ़ाती हैं।

बिना बिजली, इंटरनेट के रहती हैं कटरीना की मां

ABP को दिए अपने इंटरव्यू में कटरीना ने ये भी बताया था कि उनकी मां लक्ज़री लाइफ से दूर अपनी दुनिया को एन्जॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा था, वहां रहना आसान नहीं है। वहां उनके पास बिजली की सुविधा नहीं है। वो सिर्फ 12 घंटे रहती है। जब कभी मुझे अपनी मां को फेसटाइम करना होता है तो मैं नहीं कर पाती क्योंकि वहां बिजली नहीं है और कभी तो इंटरनेट भी नहीं मिलता। तो हम बस नॉर्मल कॉल पर बात करते हैं। कटरीना के मुताबिक उनकी मां ने लोगों की सेवा करना उम्र के दौरान नहीं बल्कि ये बचपन से उनके अंदर था।

ऐसी हालत में रहती हैं कटरीना की मां

कटरीना ने बताया था कि उनकी मां एक ऐसी जगह रहती हैं जहां बिजली नहीं है। बहुत गर्मी है, AC नहीं है। वो इस हालत में रह रही हैं और ऐसा इसलिए करती आई हैं क्योंकि उन्हें लोगों की सेवा करने में मजा आता है।

ये बहुत ही मुश्किल जिंदगी है। कटरीना हमेशा अपनी मां के इस फैसले के साथ खड़ी रही हैं। वो अपनी फिल्मों से होने वाली कमाई का कुछ हिस्सा उस स्कूल में दान करती जहां उनकी मां गरीब बच्चों को पढ़ा रही थी।

शाहरुख खान

ने पत्नी गौरी और बेटी सुहाना के साथ किए लालबागचा राजा के दर्शन, लिया बप्पा का अशीर्वाद

शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी, बेटी सुहाना खान के साथ लालबागचा राजा पंडाल पर पहुंचे। तीनों ने साथ में मिलकर भगवान के दर्शन किए और शाम की आरती भी अटेंड की। तीनों की फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इस दौरान तीनों ट्रेडिशन लुक में नजर आ रहे हैं। फैंस शाहरुख को देखकर काफी खुश हुए हैं।

शाहरुख पहुंचे लालबागचा के दर्शन करने

इस दौरान शाहरुख ने ब्लू कलर का कुर्ता-पजामा पहना है। गौरी ने येलो कलर का तो सुहाना ने ग्रीन कलर का सूट पहना है। इस दौरान तीनों के साथ शाहरुख की मैनेजर पूजा भी नजर आ रही थीं।

अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में गए थे शाहरुख

बता दें कि इससे पहले शाहरुख, मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में पहुंचे थे। उस दौरान हालांकि वह मीडिया से बचकर वहां गए थे। लेकिन सेलिब्रेशन की कई वीडियोज वायरल हुई थी जिसमें एक शाहरुख का वीडियो भी वायरल हुआ था जहां वह गणपति बप्पा के दर्शन कर रहे थे।

शाहरुख की प्रोफेशनल लाइफ

शाहरुख की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह लास्ट फिल्म डंकी में नजर आए थे जो साल 2023 में रिलीज हुई थी। इसके बाद से शाहरुख की कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई। लेकिन अब उनकी फिल्म किंग आ रही है।

किंग की जबरदस्त स्टार कास्ट

किंग को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण, सुहाना खान, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, राघव जुयाल, जयदीप अहलावत, अरशद वारसी भी नजर आने वाले हैं। फिल्म इस साल क्रिसमस के मौके पर 24 दिसंबर को रिलीज होने वाली है।

शाहरुख बोले किंग के लिए की बहुत मेहनत

हाल ही में सोशल मीडिया पर फैंस के साथ बात करते हुए शाहरुख ने बचाया था कि फिल्म के एक्शन सीक्रेंस काफी मुश्किल थे और उन्हें सेट पर चोट भी लगी थी। शाहरुख ने यह भी कहा था कि इस फिल्म में सब किंग है।

इन्हें लगा मैं खत्म हो जाऊंगा, मैं रॉकस्टार हूं... सलमान ने गेम प्लान की उड़ाई धज्जियां, तो बोले काजी तौकीर

'बिग बॉस 20' के घर में सिंगर काजी तौकीर शुरुआत से ही एक के बाद एक अजीबोगरीब ड्रामे करते नजर आ रहे हैं. कुछ समय पहले उन्होंने शो में बीमार होने का नाटक भी किया था, जिसके बाद 'बिग बॉस' को डॉक्टर तक बुलाना पड़ा था. उसके बाद उन्होंने कहा था कि वो घरवालों के मनोरंजन के लिए एक्टिंग कर रहे हैं, उनकी तबीयत बिल्कुल ठीक है. 'वीकेंड का वार' एपिसोड में सलमान ने उन्हें आईना दिखाया. उन्हीं के अंदाज में बीमार होने का नाटक करते हुए सलमान ने कहा कि मनोरंजन के लिए एक्टिंग करना बिल्कुल भी सही नहीं है.

सलमान ने काजी तौकीर के इस गेम प्लान की धज्जियां उड़ा दी. जब सलमान ने काजी को बेनकाब किया, तो साथी कंटेस्टेंट ने काजी को खूब खरी-खोटी सुनाई. अब शो में काजी का एक नया अंदाज देखने को मिला है. उनका कहना है कि घरवालों को लगा कि इसके बाद उनका गेम खत्म हो गया, लेकिन वो रॉकस्टार हैं.

क्या बोले काजी तौकीर ?

'बिग बॉस' ने काजी का एक प्रोमो वीडियो जारी किया है. वीडियो में काजी कहते हैं, सलमान सर ने प्रैंक तोड़ा, तो इन्हें (कंटेस्टेंट्स) लगा अभी ये पस्त हो जाएगा, खत्म हो जाएगा काजी. लेकिन मैंने कहा था कि कोई भी हालात हो, नेगेटिव-पॉजिटिव, आप मुझे एक जैसा ही देखोगे. उसके बाद वो अपनी फेमस लाइन कहते हैं, आई एम अ रॉकस्टार बेबी. साथ ही आखिर में वो ये भी कहते हैं कि ये बात याद रखना.

काजी तौकीर के इस वीडियो से लग रहा है कि सलमान ने भले ही उनके गेम प्लान को घरवालों के सामने ला दिया, लेकिन शो में और लाइमलाइट में बने रहने के लिए उन्होंने कुछ और भी प्लान सोच रखा है. अब देखना होगा कि कैसे वो सारे लोगों की अटेंशन अपनी तरफ करते हैं.

रोहिद खान 'बिग बॉस 20' से बाहर

सलमान ने 20 सितंबर के 'वीकेंड का वार' एपिसोड में काजी को बेनकाब किया. वहीं उसी एपिसोड में ही इस सीजन का पहला एविक्शन हुआ. अफगान मूल के एक ऑस्ट्रियाई अभिनेता और मॉडल रोहिद खान का सफर शो से खत्म हो गया.

बेस्ट अवॉर्ड किस तरह की फिल्मों और किरदारों को मिलता है? समझिए

सबसे पहले साल 2027 में ऑस्कर अवॉर्ड की रेस में भारत से भेजी गई फिल्म गोंधल पर एक नज़र डालें. यह मराठी भाषा की फिल्म है. इसे संतोष दावखर ने लिखा और निर्देशित किया है. इस फिल्म की चर्चा इसलिए क्योंकि इसकी कहानी और इसके चयन की मंजूरी बताती है आमतौर पर वही सिनेमा प्रशंसित और पुरस्कार के योग्य अनुशंसित होता है जिसमें परंपरा, इतिहास, जिंदगी, समाज और भारतीय मूल्यों को गंभीरता से जगह दी गई हो.

हाल के सिनेमा में पुरानी प्रथाएं नए स्वरूप में लौटी हैं. गोंधल भी उसकी एक कड़ी है. मराठी समाज में गोंधल एक पुरानी प्रथा है. रात में लालटेन जलाकर या रोशनी करके गांव के लोग सामूहिक रूप से बाहर निकलते हैं और परंपरागत अनुष्ठान मनाते हैं- इसे गोंधल कहा जाता है. फिल्म की कहानी की यही बुनियाद है जिसमें अनेक प्रसंग रचे बसे हैं. फिल्म के डायरेक्टर संतोष दावखर पहले ही सिल्वर पीकॉक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का खिताब जीत चुके हैं. अब इसे 99वें एकेडमी अवॉर्ड्स में एंट्री के लिए भारत की तरफ से ऑफिशियली चुना गया है.

मनोरंजन के साथ मूल्यों की भी बात

गोंधल की चर्चा के बाद सीधे 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की प्रमुख बिंदुओं पर जाऊं उससे पहले थोड़ी सी चर्चा 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की कर लेते हैं. पिछला साल याद करें. यही समय था. दिल्ली के विज्ञान भवन में नामचीन सितारे प्रेसिडेंट के हाथों अवॉर्डस लेने पहुंचे थे. नेशनल अवॉर्ड्स के लिहाज से इस साल जिन हिंदी फिल्मों ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा, वे थीं- सैम बहादुर, 12वीं फेल, कटहल, जवान और द केरला स्टोरी आदि. इन फिल्मों का सब्जेक्ट बताता है ये केवल आम मनोरंजन के लिए नहीं बनाई गई थीं बल्कि कमर्शियल ढांचे में भी इनका मकसद स्पष्ट था. सैम बहादुर एक युद्ध नायक की कहानी कहती है तो 12वीं फेल सफलता की रियल स्टोरी है.

रियल लाइफ हीरो पर बनी पूर्व में अन्य फिल्मों की सूची लंबी है- मसलन शेरशाह, उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक, भाग मिल्खा भाग, मैरी कॉम, सुपर 30, मांझी-द माउंटेन मेन, एयरलिफ्ट, नीरजा आदि- ये सभी फिल्में बहु प्रशंसित हैं. कहने का आशय ये कि नेशनल अवॉर्ड्स या अन्य प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स में उन्हीं फिल्मों, गानों, कहानियों, किरदारों और अन्य कलात्मक पक्ष को तवज्जो मिल पाती है, जिसका मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक-सांस्कृतिक .

मुरादाबाद की निशि कश्यप व मनीषा चौधरी का लखनऊ विमेंस क्रिकेट प्रीमियर लीग में चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में महिला क्रिकेट प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धी मंच देने के लिए पहली बार आयोजित हो रही लखनऊ विमेंस प्रीमियर लीग में मुरादाबाद की दो क्रिकेटरों का चयन हुआ है। निशि कश्यप और मनीषा चौधरी को लखनऊ नवाबी क्वींस टीम में जगह मिली है। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि लखनऊ विमेंस प्रीमियर लीग पहली बार आयोजित हो रही है। उन्होंने बताया कि छह टीमों के बीच होने वाली टी-20 लीग की शुरुआत 23 सितंबर से होगी, जबकि फाइनल 28 सितंबर को लखनऊ स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेला जाएगा। निशि कश्यप विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। वह अंडर-19 और सीनियर वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। विकेट के पीछे जिम्मेदारी संभालने के साथ बल्लेबाजी में भी टीम को मजबूती देने वाली निशि से लीग में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं मनीषा चौधरी दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं। गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में भी योगदान देने की क्षमता रखने वाली मनीषा को भी नवाबी क्वींस ने अपनी टीम में शामिल किया है।

एशियाई खेलः जापान को 3-0 से हराकर भारत ने पुरुष टीम बैडमिंटन में पदक पक्का किया

आइची-नगोया। भारत ने मेजबान जापान को क्वार्टर फाइनल में 3-0 से हराकर एशियाई खेलों की पुरुष टीम बैडमिंटन स्पर्धा में अपना पदक पक्का कर लिया। लक्ष्य सेन, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी और आयुष शेट्टी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। लक्ष्य सेन ने जापान के कोडाई नाराओका को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य को पहले गेम में 11-21 से हार मिली, लेकिन उन्होंने दूसरे गेम में शानदार वापसी करते हुए 19-4 की बढ़त बनाई और गेम 21-5 से अपने नाम कर मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।निर्णायक गेम में लक्ष्य एक समय 8-14 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने लगातार दो अंक हासिल करते हुए गेम 21-19 से जीत लिया और भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने जापान के होकी-कोबायाशी को 21-18, 24-22 से हराकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी।

एशियाई खेलः भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को 5-0 से हराया

आइची-नगोया। भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने एशियाई खेलों के पुरुष मुक्केबाजी मुकाबले में नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को सर्वसम्मत 5-0 के फैसले से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ जादुमणि ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। जादुमणि ने मुकाबले की शुरुआत संभलकर की। थापा ने कई मुक्कों के साथ आक्रामक शुरुआत करने की कोशिश की, लेकिन उनके कई प्रहार सही निशाने पर नहीं लगे। जादुमणि ने धैर्य के साथ अपने मुक्के लगाए और दोनों मुक्केबाजों के बीच पहले राउंड में आक्रामक आदान-प्रदान देखने को मिला। थापा का एक मजबूत बायां हुक जादुमणि को लगा, जिससे पहला राउंड कड़ा हो गया। हालांकि, चार जजों ने यह राउंड भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में 4-1 से दिया। दूसरे राउंड में जादुमणि ने अपना प्रदर्शन और बेहतर किया। उन्होंने थापा पर लगातार दबाव बनाते हुए कई प्रभावी मुक्के लगाए। भारतीय मुक्केबाज के दबाव में थापा संघर्ष करते नजर आए और थकान के संकेत भी दिखने लगे। जादुमणि ने यह राउंड भी 4-1 से अपने नाम किया।

कैप्री स्पोर्ट्स और एआईएफएफ के बीच 15 साल की साझेदारी, आईडब्ल्यूएल के वाणिज्यिक अधिकार मिले

मुंबई। भारत की प्रमुख खेल संस्था कैप्री स्पोर्ट्स ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के साथ 15 साल की दीर्घकालिक साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत कैप्री स्पोर्ट्स को इंडियन वुमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) और इंडियन वुमेंस लीग 2 (आईडब्ल्यूएल 2) के वाणिज्यिक विकास और विपणन अधिकार मिले हैं। यह साझेदारी भारत में महिला क्लब फुटबॉल के लिए एक दीर्घकालिक और टिकाऊ व्यावसायिक ढांचा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साझेदारी के तहत कैप्री स्पोर्ट्स दोनों लीगों के वाणिज्यिक विकास और मार्केटिंग का नेतृत्व करेगी। इसका उद्देश्य दर्शक आधार बढ़ाना, क्लबों और खिलाड़ियों की दृश्यता बढ़ाना, ब्रांड और निवेश आकर्षित करना, प्रसारण और डिजिटल जुड़ाव को मजबूत करना तथा महिला क्लब फुटबॉल के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में व्यावसायिक अवसर बढ़ाना है।

एशियाई खेलः भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ईरान को 37-23 से हराया

सेमीफाइनल के करीब पहुंची

एजेंसी

आइची-नगोया। गत चैंपियन भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में अपने खिताब बचाने के अभियान को जारी रखते हुए बुधवार को ग्रुप ए के मुकाबले में ईरान को 37-23 से हराया। टोकेई सिटीजन्स जिम्नेजियम में मिली इस जीत के साथ भारत सेमीफाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है। ईरान ने मुकाबले की तेज शुरुआत करते हुए भारत के खिलाफ 8-4 की बढ़त बना ली और भारतीय रक्षापंक्ति पर दबाव बनाया। इसके बाद पूजा ने शानदार सुपर रेड लगाकर ईरान की बढ़त कम की। इसके बाद उनकी

एक और बेहतरीन रेड से भारत ने स्कोर बराबर कर दिया और मुकाबले का रुख पूरी तरह अपनी ओर मोड़ लिया। इसके बाद भारतीय टीम ने नियंत्रण हासिल कर लिया और रेडिंग तथा डिफेंस दोनों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ की समाप्ति तक 19-15 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भी भारत ने अपनी लय कायम रखी और लगातार बढ़त बढ़ाता गया। ईरान दबाव को अंकों में बदलने में संघर्ष करता रहा और दूसरे हाफ में भारत ने 18-8 से बढ़त बनाते हुए मुकाबला 37-23 से अपने नाम कर लिया। भारत के 37 अंकों में सात बोनस अंक और चार ऑल-आउट अंक शामिल रहे। ईरान ने पूरे मुकाबले में छह बोनस अंक हासिल किए। भारत के डिफेंस ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया और दूसरे हाफ में एक सुपर टैकल अंक हासिल किया।भारत अब ग्रुप ए के अपने अंतिम मुकाबले में 24 सितंबर को शाम 4:15 बजे जापान का सामना करेगा। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम की सेमीफाइनल में जगह की स्थिति तय होगी।

एशियाई खेलः महिला स्कीट टीम ने जीता कांस्य, भारत को दिलाया आठवां पदक

एजेंसी

आइची-नगोया। माहेश्वरी चौहान, परिनाज धालीवाल और राइजा ढिल्लों की भारतीय महिला स्कीट टीम ने बुधवार को एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर भारत को आठवां पदक दिलाया। तीनों निशानेबाजों ने तीन दिनों तक चले क्वालीफिकेशन मुकाबलों के बाद कुल 331 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

चीन ने 357 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान की टीम 336 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसे रजत पदक मिला। भारत का यह एशियाई खेलों में आठवां पदक है। वहीं, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। मनु ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

शूटिंग में भारत की पदक तालिका इतिहास

भारत ने एशियाई खेलों में शूटिंग से अब तक छह पदक जीते हैं, जिनमें चार रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। भारतीय निशानेबाजों को हालांकि अब भी स्वर्ण पदक का इंतजार है।

एशियाई खेलः पुरुष स्कीट टीम ने जीता कांस्य, अनंतजीत नरूका व्यक्तिगत फाइनल में पहुंचे

तैराकी में बेनेडिक्टन बेनिस्टन पुरुष 100 मीटर बटरफ्लाई की हीट में कुल 13वें स्थान पर रहे, जबकि साजन प्रकाश ने स्पर्धा में शुरुआत नहीं की।

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय निशानेबाजों अनंतजीत सिंह नरूका, मेराज अहमद खान और भवतेघ सिंह गिल की पुरुष स्कीट टीम ने बुधवार को एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीत लिया। भारतीय टीम ने 346 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। कजाकिस्तान के साथ समान अंक रहने के बाद शूट-ऑफ में जीत दर्ज कर भारत ने कांस्य पदक अपने नाम किया। अनंतजीत सिंह नरूका ने पुरुष स्कीट की व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी जगह बना ली है। उन्होंने क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन किया और अब वह दोपहर 12:30 बजे भारतीय समयानुसार होने वाले फाइनल में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। भारत के लिए शूटिंग में यह दिन बेहद सफल रहा। इससे पहले भारतीय महिला स्कीट टीम ने भी कांस्य पदक जीता। रायजा ढिल्लों, पारिनाज धालीवाल और महेश्वरी चौहान की टीम ने 331 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन ने स्वर्ण और कजाकिस्तान ने रजत पदक जीता। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई, लेकिन

181.1 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। सुरुचि इंदर सिंह और ईशा सिंह क्वालीफिकेशन के बाद फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। सॉफ्ट टेनिस में जय मीना ने फिलीपींस के शेरविन नुगुइट को पुरुष एकल के रोमांचक क्वार्टर फाइनल में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अंतिम चार में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों का पदक पक्का होने के कारण जय ने भारत के लिए इस खेल में एशियाई खेलों का पहला पदक सुनिश्चित कर दिया। रोइंग में बलराज पंवार ने पुरुष सिंगल स्कल्स के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने अपनी हीट में तीसरा स्थान हासिल किया। सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुष डबल स्कल्स में अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई।

कैनो स्प्रिंट में हर्षवर्धन शक्तावत, वरिंदर सिंह, एल नाओचा सिंह ओइनाम और अरुण सिंह की पुरुष कयाक चार 500 मीटर टीम ने पहली हीट में तीसरा स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। मेघा प्रदीप ने महिलाओं की कैनो एकल 200 मीटर के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि पार्वती गीता और फाइरेम्बम सोनिया देवी महिलाओं की कयाक डबल 500 मीटर के सेमीफाइनल में पहुंचीं।रोइंग की महिला फोर स्पर्धा में गुरबानी कौर, अलीना एंटो, तेंदेंथोई हाओबिजाम और पूनम की भारतीय टीम हीट में कुल छठे स्थान पर रही और फाइनल ए के लिए क्वालीफाई किया। पुरुष पेयर में जसविंदर सिंह और नितिन कुमार चौथे स्थान पर रहे और फाइनल बी में हिस्सा लेंगे।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने घोषित की 16 सदस्यीय टीम, सैंटनर कप्तान

एजेंसी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। सफेद गेंद के कप्तान मिशेल सैंटनर टीम की अगुआई करेंगे। टीम में सात तेज गेंदबाजों को शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, पांच मैचों की सीरीज की शुरुआत 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होगी। 11 दिनों के दौरान चार शहरों में मुकाबले खेले जाएंगे। यह सीरीज भारत के न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा है, जिसमें पांच एकदिवसीय और दो टेस्ट मैच भी शामिल हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, इस दौरे के लिए अब तक 76,000 से अधिक टिकट बिक चुके हैं। न्यूजीलैंड की टीम में इस साल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत से हारकर उपविजेता रहने वाली टीम के 13 खिलाड़ी शामिल हैं। स्पिन ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल और तेज गेंदबाज एडम मिल्न चोट के कारण विश्व कप से बाहर रहने के बाद टीम में लौटे हैं। 34 वर्षीय मिल्न ने अब तक 243 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें 56 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं। उन्होंने एक साल से अधिक समय बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी की है। मिल्न के साथ लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन और जैकब डफी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं, जबकि जैक फाउल्क्स और नाथन स्मिथ को भी टीम में जगह मिली है।हालांकि, बल्लेबाजी ऑलराउंडर रचिन रवींद्र चोट के कारण टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। पिछले सप्ताह एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान उनके दाहिने कंधे का जोड़ खिसक गया था। उनके करीब छह सप्ताह तक पुनर्वास की उम्मीद है और वह चार नवंबर से ऑकलैंड के ईडन पार्क में शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज से वापसी का लक्ष्य बना रहे हैं। न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप के बाद पहली बार आक्रामक सलामी बल्लेबाजों टिम सेफर्ट और फिन एलन को शीर्ष क्रम में फिर से साथ रखा है। विश्व कप के सेमीफाइनल में एलन ने ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में नाबाद शतक लगाया था, जबकि सेफर्ट ने 33 गेंदों में 58 रन बनाकर न्यूजीलैंड को नौ विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

एशियाई खेलः सतनाम-सलमान और बलराज पंवार रोइंग के फाइनल में पहुंचे

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय रोइंग खिलाड़ियों सतनाम सिंह, सलमान खान और बलराज पंवार ने बुधवार को एशियाई खेलों में अपने-अपने मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली। सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुष डबल स्कल्स स्पर्धा के फाइनल ए में प्रवेश किया। दोनों ने अपनी हीट में 6 मिनट 15.63 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों हीट के संयुक्त परिणाम में वे चौथे स्थान पर रहे। डबल स्कल्स का फाइनल गुरुवार को होगा।पुरुष सिंगल स्कल्स स्पर्धा में बलराज पंवार ने भी फाइनल ए में जगह बनाई। उन्होंने अपनी हीट में 6 मिनट 52.84 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। दोनों हीट के संयुक्त परिणाम में बलराज चौथे स्थान पर रहे और अब उनके पास पदक जीतने का मौका होगा।

भारतीय रोइंग टीम इन क्वालीफाइंग प्रदर्शनों के बाद फाइनल में भी मजबूत प्रदर्शन के साथ पदक हासिल करने की कोशिश करेगी। इसके अलावा भारतीय पुरुष कयाक चार 500 मीटर टीम ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। हर्षवर्धन शक्तावत, वरिंदर सिंह, एल नाओचा सिंह ओइनाम और अरुण सिंह की टीम ने अपनी हीट में 1 मिनट 29.447 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। वह शीर्ष पर रहने वाली चीन की

टीम से 5.594 सेकंड पीछे रही। एशियाई खेलों के चौथे दिन भारतीय दल के सामने कई अहम मुकाबले हैं और कई खिलाड़ियों से पदक की उम्मीद है। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और मनु भाकर भी भारतीय अभियान में अहम भूमिका निभाएंगी। भारत ने अब तक एशियाई खेलों में सात पदक जीते हैं, जिनमें एक स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं।

एशियाई खेलः जय मीना ने रचा इतिहास

सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला पदक पक्का

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी जय मीना ने एशियाई खेलों में इतिहास रचते हुए पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही भारत का सॉफ्ट टेनिस में एशियाई खेलों का पहला पदक भी पक्का हो गया है। जय मीना ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के शेरविन नुगुइट को 4-3 से हराया। उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में जय ने 0-4, 4-2, 2-4, 5-3, 2-4, 7-5 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही जय का पदक पक्का हो गया है, क्योंकि अंतिम चार में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों को पदक मिलता है। अब जय की नजरें सेमीफाइनल पर हैं, जहां जीत उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचा देगी। आइची-नगोया में उनका शानदार अभियान भारत के लिए सॉफ्ट टेनिस में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गया है।

जय का सॉफ्ट टेनिस से जुड़ाव लगभग संयोग से हुआ।

बचपन में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वह क्रिकेटर बनना चाहते थे। देवास के पायनियर पब्लिक स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्होंने पहली बार सॉफ्ट टेनिस कोर्ट देखा। शुरुआत में वह खिलाड़ियों को देखने और बॉल बॉय के तौर पर मदद करने लगे, लेकिन धीरे-धीरे खुद इस खेल को खेलने लगे। स्कूल और जिला स्तर से आगे बढ़ते हुए उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पहचान बनाई। 14 साल की उम्र में ही उन्होंने सॉफ्ट टेनिस के गढ़ जापान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। जय ने 2022 में गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीतकर भारत के शीर्ष सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ियों में अपनी जगह मजबूत की। उन्होंने पुरुष टीम और युगल स्पर्धाओं में भी मध्य प्रदेश की पदक जीतने वाली टीमों में योगदान दिया। 2025 में वह पुरुष एकल में राष्ट्रीय चैंपियन बने। 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों में जय ने पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था और पुरुष टीम स्पर्धा में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद 2024 में आध्या तिवारी के साथ जोड़ी बनाकर उन्होंने विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में मिश्रित युगल का कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए इस प्रतियोगिता में पहला पदक हासिल किया। 2025 की एशियाई सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में जय पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने इस प्रतियोगिता में कुल चार पदक अपने नाम किए। आइची-नगोया एशियाई खेलों में यह उनका तीसरा एशियाई खेल है। इससे पहले वह जकार्ता 2018 और हांगझोउ 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। जय की उपलब्धियों में 2024 विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में मिश्रित युगल कांस्य, 2025 एशियाई सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष एकल, मिश्रित युगल, पुरुष टीम और मिश्रित टीम के कांस्य पदक शामिल हैं।

एशियाई खेल टेबल टेनिस : मानुष-दीया और हरमीत-यशस्विनी की जोड़ी मिश्रित युगल स्पर्धा के तीसरे दौर में

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानुष शाह-दीया चितले और हरमीत देसाई-यशस्विनी घोरपड़े ने बुधवार को एशियाई खेलों की मिश्रित युगल स्पर्धा के दूसरे दौर में अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले चरण में जगह बनाई। मानुष और दीया ने श्रीलंका के चानुल कुलप्पुवावडु और बिमांडी स्वर्णा को 3-0 से हराया। भारतीय जोड़ी ने मुकाबला 11-8, 12-10, 11-4 से अपने नाम किया।

वहीं, हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े ने मालदीव के मोहम्मद इस्माइल और फातिमाथ अली को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। कैनो स्प्रिंट में भारत की पार्वती गीता और फाइरेम्बम सोनिया देवी ने महिलाओं की कयाक डबल 500 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी हीट ए में 2 मिनट 02.538 सेकंड के समय के साथ अंतिम स्थान पर रही और शीर्ष नाव से 14.820 सेकंड पीछे रही। शीर्ष तीन नावों ने सीधे फाइनल ए के लिए क्वालीफाई किया। रोइंग में बलराज पंवार ने पुरुष सिंगल स्कल्स की हीट में तीसरा स्थान हासिल किया और दोनों हीट के संयुक्त परिणाम में

चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुष डबल स्कल्स की हीट में दूसरा स्थान हासिल किया और संयुक्त परिणाम में चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। कैनो स्प्रिंट में हर्षवर्धन शक्तावत, वरिंदर सिंह, एल नाओचा सिंह ओइनाम और अरुण सिंह की भारतीय टीम ने पुरुष कयाक चार 500 मीटर की हीट में तीसरा स्थान हासिल कर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। मेघा प्रदीप ने महिलाओं की कैनो एकल 200 मीटर हीट में पांचवां स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। शूटिंग में मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने क्वालीफिकेशन में 579-20एक्स के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। सुरुचि इंदर सिंह और ईशा सिंह फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। तैराकी में बेनेडिक्टन बेनिस्टन पुरुष 100 मीटर बटरफ्लाई की हीट में चौथे और कुल मिलाकर 13वें स्थान पर रहे, जबकि साजन प्रकाश ने शुरुआत नहीं की। दोनों फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। वहीं, वेदांत माधवन पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल की अपनी हीट में छठे और अनीश सुनील चौथे स्थान पर रहे। इन दोनों के फाइनल में पहुंचने की स्थिति परिणाम पर निर्भर है।

एशियाई खेलः भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत, श्रीलंका को 16-1 से रौंदा

एजेंसी

काकामिगहारा (जापान)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 20वें एशियाई खेलों में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल ए के दूसरे मुकाबले में श्रीलंका को 16-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत की ओर से आठ अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए, जबकि जुगराज सिंह और अभिषेक ने हैट्रिक पूरी की। गत एशियाई खेल चैंपियन भारत ने इससे पहले अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ 13-1 की जीत से की थी। श्रीलंका के खिलाफ भी भारतीय टीम ने चारों क्वार्टर में लगातार आक्रामक हॉकी खेली। भारत ने पांचवें मिनट में बढ़त बनाई। जरमनप्रीत सिंह के शानदार मूव के बाद मंदीप सिंह ने गोल किया। जुगराज सिंह ने 10वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त 2-0 कर दी। अभिषेक ने 11वें मिनट में भारत का तीसरा गोल किया। हरमनप्रीत सिंह ने 16वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल किया और इसके एक मिनट बाद अभिषेक ने अपना दूसरा गोल करते हुए भारत को 5-0 की बढ़त दिला दी। जुगराज ने 22वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपना दूसरा गोल किया। हालांकि, 24वें मिनट में उनका एक गोल वीडियो रेफरल के बाद रद्द कर दिया गया। भारत ने 29वें मिनट में अपनी छह गोल की बढ़त फिर हासिल की, जब सुखजीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर की शानदार रणनीति को गोल में बदला। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने 30वें मिनट में गोल कर भारत को मध्यांतर तक 8-0 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। मनप्रीत सिंह ने 31वें मिनट में जोरदार शॉट से गोल किया, जबकि विवेक सागर प्रसाद ने 36वें मिनट में बैकहैंड से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। दिलप्रीत ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। जुगराज ने 42वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की।हरमनप्रीत सिंह ने 45वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया, जिससे तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत की बढ़त 13-0 हो गई। अंतिम क्वार्टर में अभिषेक ने 49वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। श्रीलंका को 50वें मिनट में सुरेश रत्नायके ने एकमात्र गोल दिलाया। इसके बाद जुगराज ने 53वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर अपना चौथा गोल किया। दिलप्रीत सिंह ने 55वें मिनट में अपना तीसरा गोल करते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को 16-1 की शानदार जीत दिला दी। इस जीत के साथ भारत ने पूल ए में दो मैचों में दो जीत दर्ज कर ली हैं।

नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल किया जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले मे कांग्रेस राज्य सभा सांसद सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली हाईकोर्ट मे जवाब दाखिल किया है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने दिल्ली हाई कोर्ट में ईडी की याचिका को 'कानून के प्रोसेस का गलत इस्तेमाल' बताते हुए खारिज करने की मांग की। सोनिया और राहुल गांधी ने हाईकोर्ट को बताया कि पीएमएलए में कोई भी प्रावधान 'प्राइवेट कंप्लेंट' को ईडी एक्शन के लिए आधार नहीं मानता। राहुल गांधी और सोनिया ने जवाब मे कहा कि डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी की 2013 की शिकायत मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू करने के लिए कानूनी तौर पर आधार नहीं बन सकता है। राहुल गांधी और सोनिया ने कहा कि ईडी की 2014 से 2021 तक की इंटरनल नोटिंग्स, 2015 का एक टेक्निकल सर्कुलर, और एफएटीएफ में उसके अपने सबमिशन, ये सब दिखाते हैं कि ईडी खुद मानता था कि आगे बढ़ने से पहले एफआईआर जरूरी है।

दिल्ली के पहाड़गंज में स्पा में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, आठ महिलाएं रेस्क्यू

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पहाड़गंज के मुल्तानी ढांडा इलाके में एक स्पा से चलाए जा रहे कथित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करके चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि इस ऑपरेशन के दौरान आठ महिलाओं को बचाया गया। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई सोमवार को की गई। शाम करीब 7 बजे एक मुखबिर ने एसआई नीरज राठी से संपर्क किया और मुल्तानी ढांडा इलाके की गली नंबर 3 में प्रॉपर्टी नंबर 9139 की दूसरी और तीसरी मंजिल पर चल रहे 'लुक लाइफ स्पा' में अवैध सेक्स रैकेट के बारे में जानकारी दी। यह जानकारी तुरंत नबी करीम पुलिस स्टेशन के एसएचओ के साथ साझा की गई, जिसके बाद जानकारी की पुष्टि करने और उचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए एक पुलिस टीम बनाई गई। छापेमारी करने वाली टीम में एसआई राठी और अमित, महिला एसआई श्रुति, एएसआई संजीव, हेड कांस्टेबल संदीप, अमित और एमपी सिंह, कांस्टेबल अमित, संजय और धनसी और महिला हेड कांस्टेबल प्रीति तथा महिला कांस्टेबल सुप्रिया और राखी शामिल थीं।

ड्रग तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गौरव डावर गिरफ्तार, ईडी को मिली पांच दिन की कस्टडी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हेडक्वार्टर कार्यालय ने ड्रग तस्करी, हवाला लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक बड़े मामले में गौरव डावर को 17 सितंबर को प्रिवेंशन ऑफ मनी-लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार किया। ईडी के मुताबिक, यह मामला बड़े पैमाने पर हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय तस्करी से जुड़ा है। यह गिरफ्तारी ड्रग्स के बड़े पैमाने पर इंपोर्ट से जुड़े एक मामले में की गई है, जिसमें ड्रग्स को सेमी-प्रोसेस्ड टैल्क (पाउडर) में छिपाकर लाया गया था और दिल्ली, पंजाब व हरियाणा में नारकोटिक्स की बरामदगी भी हुई थी। आरोपी गौरव डावर को 18 सितंबर को तीस हजारी कोर्ट (वेस्ट डिस्ट्रिक्ट), नई दिल्ली में स्पेशल जज (पीएमएलए) के सामने पेश किया गया, जिसके बाद कोर्ट ने आरोपी को पांच दिन की ईडी कस्टडी में भेज दिया। ईडी ने यह जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। यह एफआईआर हरप्रीत सिंह तलवार और अन्य लोगों के खिलाफ ड्रग तस्करी की गतिविधियों के लिए यूएपीए, 1967, एनडीपीएस एक्ट, 1985 और आईपीसी, 1860 के तहत दर्ज की गई थी।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक की भारत कड़े शब्दों में निंदा करता है : रणधीर जायसवाल

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के पक्तिका और कुनार पर पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई हमले की निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस वार्ता में भारत का पक्ष रखा। रणधीर जायसवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'पाकिस्तान के हमले की हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। उस हिंसा में कई आम लोगों की जान गई, हमारी उनके साथ संवेदनाएं पीड़ित परिवार के साथ हैं, जो घायल हैं उनके लिए कामना है कि वो जल्द ठीक हो जाए।

ऐसी आक्रामकता क्षेत्र की अखंडता और शांति व्यवस्था के खिलाफ है। हम अफगानिस्तान के साथ हैं। पाकिस्तान को अपने कार्रवाई पर ध्यान देना चाहिए। इससे पहले की दुनिया उससे इसे लेकर सवाल पूछे।' सोमवार (21 सितंबर) को अफगानिस्तान के कुनार और पक्तिका प्रांतों में पाकिस्तानी हवाई हमले किए थे। जिसमें तालिबान सरकार के अनुसार तीन लोगों की मौत हो गई थी। एयर स्ट्राइक की निंदा करते हुए तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने चेतावनी दी थी कि इन हमलों का 'उचित जवाब' दिया जाएगा।

मुजाहिद के मुताबिक पाकिस्तान ने कुनार में रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। जहां पाकिस्तानी बमबारी में एक महिला और दो पुरुषों की मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं और दो पुरुष घायल हो गए थे। वहीं, पक्तिका हवाई हमले में एक स्थानीय दुकान और एक घर को निशाना बनाया गया। मुजाहिद ने पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व पर आरोप लगाया कि वह अपने देश के अंदर सुरक्षा से जुड़ी नाकामियों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए अफगानिस्तान में हमले कर रहा है।

दिल्ली में गणेश विसर्जन के लिए विशेष प्रबंध

पुरानी व खंडित मूर्तियों के निस्तारण को विशेष 'संग्रह केंद्र' स्थापित

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार ने गणेश विसर्जन के लिए विशेष प्रबंध और पुरानी एवं खंडित धार्मिक मूर्तियों और पूजा सामग्री के निस्तारण के लिए 110 चिन्हित स्थानों पर विशेष 'संग्रह केंद्र' स्थापित कर रही है। इसके साथ ही गणेश विसर्जन के लिए दिल्ली में 81 चिन्हित स्थानों पर कृत्रिम विसर्जन तालाबों की तैयारी पूरी कर ली गई है। गणेश विसर्जन के लिए सभी 13 जिलों में पुख्ता व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि अक्सर पुरानी या खंडित मूर्तियों और पूजा-पाठ से संबंधित सामग्री को लोग धार्मिक भावनाओं के कारण पेड़ों के नीचे, पार्कों, सड़क किनारे या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रख देते हैं। इससे एक ओर धार्मिक आस्था जुड़ी होती है, दूसरी ओर सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता और पर्यावरण से जुड़ी चुनौती भी सामने आती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार द्वारा 110 स्थानों की सूची तैयार की गई है, जहां विशेष 'संग्रह केंद्र' स्थापित किए जा रहे है। मंदिरों सहित विभिन्न उपयुक्त स्थानों पर उपलब्ध इन पात्रों में श्रद्धालु पुरानी, खंडित या धार्मिक सामग्री को सम्मानपूर्वक जमा कर सकेंगे। इस व्यवस्था से लोगों को अपने आसपास ही धार्मिक सामग्री के लिए एक स्वच्छ, व्यवस्थित और

सम्मानजनक विकल्प उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल विसर्जन की सुविधा देने के लिए 81 चिन्हित स्थानों पर कृत्रिम विसर्जन तालाबों की तैयारी पूरी कर ली गई है। इनमें दिल्ली के विभिन्न जिलों में निर्धारित स्थान शामिल हैं। गणेश विसर्जन की तैयारियों में सुरक्षा, स्वच्छता, लाइट, चिकित्सा, आपातकालीन व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन और पर्यावरणीय सुरक्षा जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित कृत्रिम विसर्जन स्थलों पर ही किया जाए। यमुना नदी या अन्य जल निकायों में प्रतिमाओं का विसर्जन न किया जाए। इसी तरह पूजा सामग्री, फूल-माला और अन्य धार्मिक सामग्री को भी नदियों या जलाशयों में न डालने की अपील की गई है, ताकि धार्मिक आस्था के साथ-साथ दिल्ली के जल निकायों की स्वच्छता और पर्यावरण की भी रक्षा की जा सके। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से पर्यावरण-अनुकूल मूर्तियों को प्राथमिकता देने और प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी), हानिकारक रसायनों वाले रंगों और ऐसे सजावटी सामान के इस्तेमाल से बचने की अपील की है, जो जल एवं पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

गणेश विसर्जन को व्यवस्थित बनाने के लिए सभी 13 राजस्व जिलों में संबंधित विभागों के बीच समन्वय के साथ तैयारियां की गई हैं। विसर्जन स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। विसर्जन के बाद प्रतिमाओं के अवशेष और अन्य सामग्री को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार हटाने तथा स्थलों की सफाई की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि उत्सव के बाद सार्वजनिक स्थान स्वच्छ बने रहें।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन में लिया हिस्सा

तेरह सितंबर से शुरू इस आठ दिवसीय आयोजन में दो लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया ।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आठ दिवसीय 30वें विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन के समापन कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिंदर सिंह जी महाराज से मुलाकात की। किरपाल बाग और संत दर्शन सिंह जी धाम बुराड़ी में आयोजित इस सम्मेलन में रूहानी मिशन के प्रमुख का 80वां जन्मदिवस भी मनाया गया।

तेरह सितंबर से शुरू इस आठ दिवसीय आयोजन में दो लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया । कार्यक्रम में भाजपा विधायक अशोक गोयल, विभिन्न धर्मों के आध्यात्मिक नेता और 650 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भी शामिल

हुए। समापन कार्यक्रम में ध्यान और आध्यात्मिकता पर विचार-विमर्श के साथ 68वां रक्तदान शिविर, 43वां निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी शिविर और 23वां वस्त्र वितरण शिविर आयोजित किया गया।

सम्मेलन में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, स्विटजरलैंड, कनाडा और कई अन्य देशों से 650 से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हुए। समापन अवसर पर संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने ध्यान को भीतर की ओर मोड़ने और ईश्वर से जुड़ने के लिए का मुख्य जरिया बताया। उन्होंने कहा कि भटकाने वाली चीजों से भरी इस दुनिया में हमें ईश्वर से जुड़ने और जीवन के सच्चे मकसद को जानने और ईश्वर को पाने को पूरा करने के लिए अपने भीतर झांकना होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संत राजिन्दर सिंह जी महाराज को जन्मदिन पर बधाई दी। साथ ही ध्यान, शांति और मानवता की सेवा के प्रति उनके दशकों लंबे समर्पण की सराहना भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके बारे में जितना ज्यादा वह जानती हैं, वह यह है कि इंजीनियरिंग से आध्यात्मिकता तक की उनकी अद्भुत यात्रा प्रभावित करती है। आखिर में माता रीटा और अन्य ने गुरु नानक देव जी महाराज की वाणी से एक भावपूर्ण भजन 'हम घर साजन आए' प्रस्तुत किया।

एमसीडी ने प्रवर्तन अभियान के तहत 42 ध्वस्तीकरण कार्रवाई की

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अनधिकृत निर्माण, खतरनाक भवनों तथा दिल्ली के मास्टर प्लान (एमपीडी) और भवन उपविधियों के उल्लंघन के विरुद्ध शहरव्यापी प्रवर्तन अभियान जारी रखा है। निगम द्वारा जन सुरक्षा और भवन मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी 12 क्षेत्रों में सख्त कार्रवाई की जा रही है। निगम के अनुसार, चलाए गए विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान सभी 12 क्षेत्रों में 42 ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। इसके अलावा भवन संबंधी मानदंडों के उल्लंघन पर 7 संपत्तियों को सील किया गया, जबकि 3 ध्वस्तीकरण आदेश जारी किए गए। निगम ने बताया कि चिन्हित उल्लंघनों के विरुद्ध निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार कार्रवाई की गई। इससे पहले भी एमसीडी ने व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया था। इस दौरान एमपीडी और भवन उपविधियों के उल्लंघन के मामले में 44 संपत्तियों का ध्वस्तीकरण किया गया तथा 11 संपत्तियों को सील किया गया। चलाए गए अभियान के दौरान संत नगर, न्यू अशोक नगर, लक्ष्मी नगर, तेलीवाड़ा, शाहदरा, गीता कॉलोनी, राम नगर, जगतपुर, सोनिया विहार, दिलशाद गार्डन, देव नगर, बापा नगर, फैज रोड, सेक्टर-14 द्वारका, पालम फार्म्स, अवंतिका, सेक्टर-1 रोहिणी और शकूरपुर समेत दिल्ली के विभिन्न इलाकों में प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। एमसीडी ने कहा कि उसके अधिकार क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण और भवन मानदंडों का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा। निगम ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को कड़ी निगरानी बनाए रखने और एमपीडी, भवन उपविधियों तथा अन्य संबंधित नियमों के प्रावधानों के तहत उल्लंघनों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने नजफगढ़ में 25 करोड़ के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत नजफगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 25 करोड़ की लागत वाले 7 विकास कार्यों की शुरुआत की। इसके अलावा 7 अनधिकृत कॉलोनियों में 33 करोड़ की लागत वाले 10 अन्य काम पहले से ही चल रहे हैं।

इस मौके पर लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष विजय सोलंकी, विधायक नीलम कृष्ण पहलवान, जिला भाजपा अध्यक्ष मुकेश मिश्रा मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 58 करोड़ के इन विकास कार्यों से नजफगढ़ की कॉलोनियों में सड़कें बेहतर होंगी, जल निकासी की व्यवस्था मजबूत होगी और बरसात के दिनों में जलभराव जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी। बेहतर बुनियादी सुविधाओं के साथ हजारों

परिवारों का रोजमर्रा का जीवन और सुगम होगा। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली में हमारी सरकार बनने के बाद से नजफगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कुल 843 करोड़ के विकास कार्य पूरे हो चुके हैं या विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने और नजफगढ़ के लोगों के दैनिक जीवन को आसान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

एसआईआर में नोटिस जारी होना सामान्य प्रक्रिया : प्रवेश साहिब सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची या दस्तावेजों में जानकारी अधूरी या कमी होने पर निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) की ओर से नोटिस जारी होना एक सामान्य प्रक्रिया है। सिंह ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की मतदाता सूची में जानकारी अधूरी है या उसके दस्तावेजों में कोई कमी रह गई है, तो ईआरओ उसे नोटिस जारी कर संबंधित जानकारी या दस्तावेज मांगा जाता है। जानकारी उपलब्ध कराने के बाद पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जाता है। मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कई संगठन और विपक्षी दल बार-बार एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं। चुनाव आयोग उन सभी लोगों को नोटिस जारी कर रहा हैं, जिनकी जानकारी मतदाता सूची या

उनके दस्तावेजों में अधूरी है। अगर दस्तावेजों में कोई कमी होती है, तो उनसे उसके बारे में पूछा जाता है। यह एक बहुत ही सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन आम आदमी पार्टी (आआपा) और उनसे जुड़े संगठन इस पर सवाल उठा रहे हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है और उस पर सुनवाई होनी है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में आम लोगों से लेकर वीआईपी तक को एसआईआर के तहत नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से काम कर रहा है। अगर किसी मतदाता को लगता है कि एसआईआर प्रक्रिया में उनका नाम छूट रहा है, तो उन्हें नोटिस का उचित जवाब देने का मौका दिया जाता है। जिन लोगों को नोटिस मिला है, वे 30 सितंबर तक ईआरओ को जवाब दे सकते हैं। 29 अक्टूबर तक उनके जवाब की जांच की जाएगी। अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी होगी। मंत्री ने कहा कि उसके बाद भी अगर किसी का नाम छूट जाता है, तो वे इस प्रक्रिया के तहत आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आआपा), कांग्रेस और उनसे जुड़े गैर-सरकारी संगठनों से अपील की कि वे एसआईआर को लेकर लोगों के बीच ऐसी स्थिति पैदा न करें जिससे उनका चुनाव आयोग पर से भरोसा उठे।

'नमो सेवा की अनकही कहानियां' का दिल्ली में 1,250 स्थानों पर होगा मंचन : कपिल मिश्रा

'प्रधानमंत्री मोदी का जीवन और उनकी कार्यशैली हर वर्ग के लिए प्रेरणा और संदेश हैं। '

एजेंसी

नई दिल्ली। संकल्प सेवा अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक जीवन, उपलब्धियों व उनके विकसित भारत से जुड़े आग्रहों का 'नमो सेवा की अनकही कहानियां' नुक्कड़ नाटक श्रृंखला के जरिए आज से दिल्ली भर में मंचन शुरू किया जा रहा है। कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग के अंतर्गत साहित्य कला परिषद द्वारा दिल्ली के लगभग 1,250 स्थानों पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जीवन और उनकी कार्यशैली हर वर्ग के लिए प्रेरणा और संदेश हैं। नाटकों के जरिये स्वच्छता ही सेवा, वोकल फॉर

लोकल, बेटियों की शिक्षा जैसे उद्देश्यों का आग्रह होगा साथ ही प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के सेवा, सुशासन और राजनीतिक शुचिता से भरे कार्यकाल में लोगों का जीवन बदलने और बेहतर करने वाले फैसलों का भी मंचन होगा। गरीब एवं किसान कल्याण की योजनायें जैसे पीएम आवास, एसबीएम शौचालय, सौभाग्य योजना, उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन की जानकारी दी जाएगी। मुद्रा लोन और स्टार्ट अप इंडिया जैसे महिला एवं युवा सशक्तिकरण के कदम, भारत की अभेद्य सुरक्षा और विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कहानी भी लोग देखेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के देशहित में लिए ऐतिहासिक फैसलों से देश और दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के उनके सफर की भी लोगों को झलक मिलेगी। साथ ही उनके जीवन की अन्य कम चर्चित एवं प्रेरणादायी कहानियों का भी मंचन होगा। मंत्री ने कहा कि सेवा, स्वच्छता और देश के विकास से जुड़े कार्यों तथा योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक सरल और प्रभावी माध्यम से पहुंचाने के लिए यह श्रृंखला तैयार की गई है।

मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि अभियान के तहत दिल्लीभर में लगभग 30 से 35 नुक्कड़ नाटक टीमें एक साथ विभिन्न स्थानों पर प्रस्तुतियां देंगी। प्रत्येक मंडल में चार नुक्कड़ नाटक आयोजित करने की योजना बनाई गई है। मंडल स्तर के साथ-साथ बस्तियों, कॉलोनियों, प्रमुख मॉल, बाजारों और ज्यादा आवाजाही वाले स्थानों पर आयोजन होंगे।

श्रमिकों को अब दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, सेवा उनके द्वार पहुंचेगी : रेखा गुप्ता

दिल्ली सरकार के अनुसार, 'सेवा संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर शुरू किया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत चार 'मोबाइल नमो श्रमिक सेवा केंद्र' वैन को दिल्ली सचिवालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य श्रमिकों को सरकारी सेवाएं उनके कार्यस्थल और आसपास के क्षेत्रों में उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें पंजीकरण और अन्य सेवाओं के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी दिहाड़ी का नुकसान भी न हो।

इस अवसर पर श्रम मंत्री कपिल मिश्रा और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के निर्माण और विकास में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है और सरकार की जिम्मेदारी है कि उनके लिए उपलब्ध सुविधाएं उन तक पहुंचें। उन्होंने कहा,

'श्रमिक भाई-बहन, अब कार्यालय नहीं, सेवा खुद उनके द्वार पहुंचेगी। '

उन्होंने बताया कि मोबाइल वैन के माध्यम से श्रमिकों का मौके पर पंजीकरण और पंजीकरण का नवीनीकरण किया जाएगा। इसके अलावा सरकारी योजनाओं की जानकारी, आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित सहायता, डिजिटल सेवाओं तक पहुंच और विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन में मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा। गुप्ता ने कहा कि पंजीकरण के अभाव में कई वास्तविक निर्माण श्रमिक सरकारी योजनाओं और कल्याणकारी सुविधाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं। नई व्यवस्था के तहत श्रमिकों को अपने काम से समय निकालकर दूर स्थित सरकारी कार्यालयों में जाने की जरूरत कम होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के प्रत्येक जिले में एक-एक मोबाइल वैन संचालित की जाएगी। कुल 13 वैन निर्माण स्थलों, लेबर चौक और उन स्थानों तक जाएंगी जहां निर्माण श्रमिक काम करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि श्रमिकों को सरल, सुलभ और सुविधाजनक तरीके से सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि 'मोबाइल नमो श्रमिक सेवा केंद्र' की वैन सीधे श्रमिकों तक पहुंचेंगी और उन्हें कार्यस्थल के आसपास आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने कहा कि जानकारी या पंजीकरण के अभाव में श्रमिक सरकारी योजनाओं से वंचित न रहें, यही इस पहल का उद्देश्य है।

मिश्रा ने बताया कि मोबाइल वैन के जरिए नए श्रमिकों का पंजीकरण, पंजीकरण का नवीनीकरण और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन करने में सहायता दी जाएगी। साथ ही श्रमिकों को उपलब्ध योजनाओं और उनके लाभों की जानकारी भी दी जाएगी।

भागीरथ पैलेस से नकली रेबीज वैक्सीन की 481 यूनिट जब्त, दोषियों पर कार्रवाई का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग ने भागीरथ पैलेस स्थित फर्म से 2 लाख रुपये की नकली रेबीज वैक्सीन की 481 यूनिट जब्त की है। यह कार्रवाई दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर चल रहे प्रवर्तन अभियान के तहत की गई।

मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि नकली दवाइयां बेचने वालों के खिलाफ दिल्ली सरकार की नीति जीरो टॉलरेंस की है। रेबीज एक गंभीर और कई मामलों में जानलेवा बीमारी है। इसलिए रेबीज वैक्सीन की गुणवत्ता से किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं किया जा सकता। इस मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रवर्तन अभियान के दौरान दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग की एक टीम ने दिल्ली के भागीरथ पैलेस में तीन परिसरों की गहन तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान फर्म की बिक्री परिसर और गोदाम से रेबीज़ वैक्सीन, ह्यूमन I.P. (प्यूरीफाइड वेरो सेल रेबीज़ वैक्सीन) - (अभयरैब) वैक्सीन की नकली 481 यूनिट बरामद हुईं। वैक्सीन की मूल निर्माता कंपनी एम/एस ह्यूमन बायोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, तेलंगाना ने पुष्टि की है कि संबंधित वैक्सीन का बैच नंबर नकली है और यह बैच कंपनी द्वारा जारी नहीं किया गया था।

टीम ने लैब टेस्ट और परीक्षण के लिए 120 वायल के नमूने आगे की जांच के लिए कस्टडी में लिया हैं। बाकी 361 यूनिट वैक्सीन और सात खरीद चालानों को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 22(1) (C) और 22(1) (CC) के तहत जब्त किया गया है। सभी नमूनों को आगे की जांच और सैंपल को एनालिसिस के लिए कसौली स्थित सीआरआई सेंटर में भेजा गया है। जब्त स्टॉक की जांच के दौरान भागीरथ पैलेस स्थित फर्म ने बताया कि उसने कथित नकली वैक्सीन कानपुर की एक एजेंसी से खरीदी थी। इसके बाद दिल्ली ड्रग्स कंट्रोल विभाग ने इसकी जानकारी उत्तर प्रदेश के औषधि नियंत्रण विभाग के साथ साझा की। यूपी औषधि नियंत्रण विभाग ने कानपुर स्थित एजेंसी समेत दो स्थानों पर छापेमारी की कार्रवाई की।